सतना
25 सितंबर 2024 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

इंग्लैंड की महिला...

@ पेज 7

संक्षिप्त समाचार

हम स्वतंत्र हैं लेकिन इस मुद्दे पर केंद्र सरकार के साथ

- बोले सीजेआई डीवाय चंद्रचूड़, रखी मुंबई हाईकोर्ट की नई बिल्डिंग की नींव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के जज अदालत से संबंधी कामों को आजादी के साथ करते हैं लेकिन जब अदालत के बुनियादी ढांचे और बजट से संबंधित मुद्दों की बात

होती है तो हम सरकार के साथ खड़े होते हैं क्योंकि हमारा मिशन एक ही है। सीजेआई ने बताया कि इसके पीछे वजह यह है कि ऐसे प्रोजेक्ट सीधे आम लोगों से जुड़े होते हैं। सीजेआई ने अपनी बात को और ज्यादा साफ करते हुए कहा कि यह प्रोजेक्ट जजों या वकीलों के निजी प्रोजेक्ट नहीं हैं और हमारे नागरिकों से जुड़े हुए हैं। सीजेआई चंद्रचूड़ सोमवार को नई बिल्डिंग की नींव रखने के कार्यक्रम में बोल रहे थे।

अक्षय शिंदे के एनकाउंटर की जांच करेगी सीआईडी

- परिवार का आरोप-उसे कस्टडी में पीटा गया

मुंबई (एजेंसी)। बदलापुर रेप केस में एनकाउंटर की जांच मंगलवार को सीआईडी को सौंप दी गई। ठाणे क्राइम ब्रांच ने 23 सितंबर को केस के आरोपी अक्षय शिंदे का ठाणे में एनकाउंटर कर दिया था। क्राइम ब्रांच

अक्षय को तलोजा जेल से बदलापुर लेकर गई थी। शाम करीब 6.15 बजे उसका एनकाउंटर कर दिया गया। सरकार ने कहा था कि अक्षय ने पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायर किए, सेल्फ डिफेंस में पुलिस ने गोली चलाई और अक्षय मारा गया। फैमिली ने कहा कि अक्षय को कस्टडी में जमकर पीटा गया था। उसके बाद मामले को दबाने के लिए एनकाउंटर कर दिया गया। उसका शव भी नहीं देखने दिया। विपक्ष ने एनकाउंटर पर सवाल किया अक्षय हथकड़ी में था, फायरिंग कैसे कर सकता है।

वेटिकन की तर्ज पर बनेगा एक अलग मुस्लिम देश

यहां महिलाओं को भी पूरी आजादी का देन का है प्लान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। वेटिकन सिटी को दुनिया का सबसे छोटा देश माना जाता है और कहा जाता है कि ईसाई धर्म की शीर्ष सत्ता यहीं पर कायम है। पोप यहीं बैठते हैं और धर्म से जुड़े मामलों पर यहीं से राय देते हैं। वेटिकन सिटी

को एक देश का ही दर्जा प्राप्त है। इसी तर्ज पर एक मुस्लिम मौलवी ने भी एक देश बनाने की कोशिश की है, जहां से मुस्लिमों के मामले डील किए जाएंगे। यह देश अलबानिया की राजधानी तिराना में होगा। यह दुनिया का सबसे छोटा मुल्क होगा।

भारत के हस्तक्षेप से रुकेगा रूस और यूक्रेन का युद्ध!

मोदी-जेलेंस्की के बीच 45 मिनट तक हुई बात, विशेषज्ञ निकाल रहे मायने

यूक्रेन के अनुरोध पर जेलेंस्की से मिले पीएम मोदी, तीन महीने में तीसरी मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन महीने से भी कम समय में तीसरी बार यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की और पीएम मोदी की मुलाकात हुई। अमेरिका की यात्रा से लौटते वक्त आखिरी वक्त में सोमवार न्यूयॉर्क में पीएम मोदी और जेलेंस्की के बीच मीटिंग हुई। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि मोदी और जेलेंस्की के बीच करीब 45 मिनट तक बातचीत हुई। मोदी ने जेलेंस्की से कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर दुनिया के कई नेताओं से बात की है और सभी इस बात पर सहमत हैं कि युद्ध को समाप्त करने का कोई रास्ता निकालना होगा। उन्होंने कहा इसके लिए हमारे प्रयास भी जारी हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने बताया कि यूक्रेन की ओर से बैठक का अनुरोध किया गया था और उसी के अनुसार ही मीटिंग हुई। मोदी ने पिछले महीने कीव में यूक्रेन के नेता से मुलाकात की थी।

सरकार बदलते ही आंख दिखाने की कोशिश कर रहा बांग्लादेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर सख्त आपत्ति जताई है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सोमवार रात बयान जारी कर कहा कि अमित शाह ने बांग्लादेश के

नागरिकों को लेकर जो दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिया है उसका हम विरोध करते हैं। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त को बुलाकर इसी मामले में विरोध पत्र भी दिया। बांग्लादेश ने इसे अत्यंत निंदनीय बताते हुए भारत से बयान देने से रोकने का आग्रह किया है।

तिरुपति के बाद अब सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद पर विवाद

मुंबई (एजेंसी)। तिरुमला के बाद अब मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद पर सवाल उठ रहे हैं। एक वीडियो वायरल होने के बाद दावा किया गया है कि मंदिर के प्रसाद में चूहे के बच्चे मिले हैं। वीडियो में प्रसाद रखने वाला कैरेट दिखाई दे रहा है, जिसे कुतरा गया है। कैरेट के एक कोने में चूहे के बच्चे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सर्वणकर ने प्रसाद की शुद्धता को लेकर जवाब दिया है। ट्रस्ट ने कहा कि वीडियो में दिखाई जगह मंदिर का हिस्सा ही नहीं। हमारी इमेज खराब करने की कोशिश है। मंदिर ट्रस्ट प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायरल वीडियो पर जवाब दिया और कहा कि वीडियो सिद्धिविनायक मंदिर का नहीं है। मंदिर ट्रस्ट बोला- गंदगी की संभावना ही नहीं सरवणकर ने कहा, ऐसी अस्वच्छ स्थितियों की कोई संभावना नहीं है।

रेस्टोरेंट और ढाबों पर अब लिखना होगा मालिक का नाम

- यूपी में गंदगी और मिलावट करने वालों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य में रेस्टोरेंट और ढाबों पर मालिकों के नाम लिखने

के निर्देश दिए हैं। खबर ये भी है कि सभी रेस्टोरेंट, ढाबों और होटलों पर सीसीटीवी लगाने के आदेश भी दिए गए हैं। इसके अलावा खाने-पीने की चीजों में गंदगी और मिलावट करने वालों पर कठोर कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए हैं।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यूपी की योगी सरकार ने खाने-पीने की चीजों में गंदगी और मिलावट की खबरों के बाद मंगलवार सुबह एक हाई लेवट मीटिंग में यह फैसले लिए। योगी सरकार ने सभी होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंट के वेरिफिकेशन के आदेश दिए हैं। आपको बता दें कि बीते दिनों दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी इलाके से एक जूस दुकानदार द्वारा ग्राहकों को जूस में मानव मूत्र पिलाने की खबरें आई थीं।

वोटिंग से पहले हरियाणा की राजनीति में नई सुगबुगाहट!

रणजीत चौटाला बोले-भूपिंदर हुड्डा मेरे परम मित्र, हम क्लास फेलो रहे हैं

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में मतदान की तारीख में अब दो हफ्ते से भी कम का समय रह गया है। राज्य में तमाम दल और प्रत्याशी साम, दाम, दंड, भेद के जरिए चुनाव जीतना चाहते हैं। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी से नाता तोड़ने वाले रणजीत सिंह चौटाला द्वारा अब एक बड़ा बयान दिया गया है। उन्होंने मंगलवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि वो चुनाव परिणाम बाद भूपिंदर सिंह हुड्डा से हाथ मिला सकते हैं। न्यूज एजेंसी से बातचीत में भूपिंदर सिंह हुड्डा ने कहा, मैं लोगों से पूछूंगा, ये जहां कहेंगे, वहां जाएंगे। हुड्डा मेरे परम मित्र हैं, हम क्लास फेलो रहे हैं। ये पार्टियां तो कल आई हैं। मैं और हुड्डा साहब 60 साल से दोस्त हैं। हम चंडीगढ़ पढ़ते थे। हमारे परिवारों को बहुत पुराना प्यार है। हुड्डा साहब के फादर और मेरे पिताजी और ताऊजी ने लाहौर और मुलतान की जेलें इकट्ठा काटी हैं। ब्रिटेश टाइम से भी हमारे संबंध हैं। वो एक अलग विषय है, राजनैतिक निर्णय मैं इन लोगों (समर्थकों) से पूछकर लूंगा। इसकी बात भी मैं इनसे पूछकर करूंगा। हो सकता है उनके साथ भी चला जाऊं, मुझे जो लोग कहेंगे वो करूंगा। हरियाणा कांग्रेस में सीएम पद को लेकर रार मची हुई है। अब मीडिया से बातचीत में एक सवाल के जवाब में कांग्रेस के नेता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि मुख्यमंत्री पद पर निर्णय चुनाव परिणाम के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी करेंगे। उन्होंने कहा, कौन मुख्यमंत्री बनेगा, हर आदमी की आकांक्षा है। सैलजा जी भी बनना चाहेंगे, क्यों नहीं। मेरी बड़ी बहन है, चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा जी भी बनना चाहेंगे।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया पर चलेगा जमीन घोटाले का केस

हाईकोर्ट ने गवर्नर के आदेश को बरकरार रखा, सिद्धारमैया की याचिका खारिज

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में केस चलेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने मंगलवार को कहा- याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए

और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी। सीएम ने 19 अगस्त को इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टीजे अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि सीएम ने धोखाधड़ी से इसे हासिल किया।

जम्मू-कश्मीर में सेकेंड फेज की 26 सीटों पर वोटिंग आज

उमर अब्दुल्ला 2 सीटों से चुनाव लड़ रहे, पहले फेज में 61 फीसदी मतदान हुआ था

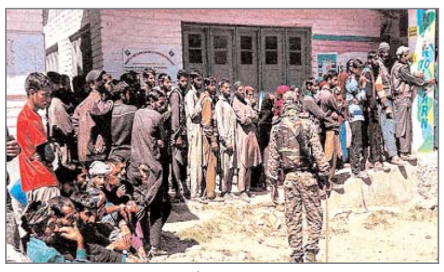

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कल बुधवार को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडीडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। दूसरे फेज में 131 कैंडीडेट्स करोड़पति और 49 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने अपनी संपत्ति केवल 1,000 रुपए घोषित की है। पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामूला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे।

कोई तालाब में डूब मरा, किसी की गाड़ी पलटी और हो गया खेल

- पुलिस हिरासत के दौरान मौत पर कोहराम, विवादित रहे एनकाउंटर
- यूपी से लेकर महाराष्ट्र तक एनकाउंटरों को लेकर उठ रहे हैं सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के मंगेश यादव एनकाउंटर का विवाद अभी थमा भी नहीं था कि उसके साथी अनुज प्रताप सिंह भी एनकाउंटर में मारा गया। यूपी में एनकाउंटर का मामला गरम है ही, उधर महाराष्ट्र के बहुचर्चित बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे का सोमवार को एनकाउंटर हो गया। पुलिस थिअरी के मुताबिक, उसने पुलिस अधिकारी की पिस्टल छीन कर फायरिंग की और जवाबी कार्रवाई में मारा गया। विपक्ष इसे फेक एनकाउंटर बता रहा है। भारत में एनकाउंटर और उन पर विवाद कोई नहीं बात नहीं है। राजनीतिक दल कभी धर्म तो कभी जाति देखकर फर्जी एनकाउंटर करने के आरोप भी लगाते हैं।

बदलापुर कांड का आरोपी अक्षय शिंदे एनकाउंटर में ढेर- पिछले महीने महाराष्ट्र के बदलापुर में एक स्कूल की बच्चियों से दरिंदगी की घटना से जनाक्रोश भड़क गया। बड़ी तादाद में आक्रोशित लोग सड़क पर उतर गए। दबाव में आई एकनाथ शिंदे सरकार ने आनन-फानन में जांच समिति का गठन किया।

आरोपी अक्षय शिंदे 1 अगस्त को ही स्कूल में संविदा कर्मचारी के तौर पर रखा गया था।

संयोग से 23 सितंबर को जिस दिन यूपी में सुल्तानपुर डकैती कांड के आरोपी अनुज प्रताप सिंह का एनकाउंटर हुआ, उसी दिन महाराष्ट्र में अक्षय शिंदे भी एनकाउंटर में मारा गया। दोनों ही मामले में परिवार फर्जी एनकाउंटर का आरोप लगा रहा है।

- **सुल्तानपुर डकैती कांड के दो आरोपी मुठभेड़ में ढेर-** पिछले महीने 28 अगस्त को यूपी के सुल्तानपुर में एक जूलरी शॉप में हथियारों के दम पर डकैती हुई थी। उसके एक हफ्ते बाद ही 5 सितंबर को दो आरोपियों का एनकाउंटर हुआ। पुलिस मुठभेड़ में मंगेश यादव नाम के आरोपी की मौत हो गई, जबकि दूसरे आरोपी अजय यादव के पैर में गोली लगी। उसका अभी इलाज चल रहा है। इस मामले ने काफी तूल पकड़ा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जाति देखकर एनकाउंटर का आरोप लगाया।

2 किमी तक रेंगकर पेंशन लेने पहुंची ओडिशा की महिला

80 साल की महिला बोली-चल नहीं पाती हूं, फिर भी अधिकारी ने ऑफिस बुलाया

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के क्योंझोर में एक 80 साल की महिला को पेंशन के लिए 2 किलोमीटर तक ऑफिस रेंगकर जाना पड़ा। रायसुआं गांव में रहने वाली पथुरी देहुरी बुढ़ापे और बीमारी के कारण ठीक से चल नहीं पाती है। सीनियर सिटीजन और विकलांग लोगों को घर जाकर पेंशन देने के सरकारी आदेश है। इसके बावजूद भी उन्हें पेंशन लेने के लिए पंचायत ऑफिस जाना पड़ा। मामला 21 सितंबर का है, हालांकि इसका वीडियो मंगलवार को वायरल हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, महिला ने बताया कि हम पेंशन के पैसे से अपना दैनिक खर्च चलाते हैं। पंचायत एक्सटेंशन ऑफिसर ने मुझे पेंशन के पैसे लेने के लिए ऑफिस आने को कहा था। जब पेंशन बांटने के लिए कोई भी घर नहीं आया, तो मेरे पास 2 किलोमीटर तक रेंगकर पंचायत ऑफिस पहुंचने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं था। सरपंच बोले- अगले महीने से महिला को पेंशन-राशन घर पर मिलेगा रायसुआं के सरपंच बागुन चंपिया ने बताया कि पथुरी के मामले के बारे में जानकारी लगने के बाद अधिकारी और सप्लाई असिस्टेंट को अगले महीने से उनके घर पेंशन और राशन पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं। तेलकोई की ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर गीता मुर्मू ने कहा- हमने पीडीएस को उन लाभार्थियों को पेंशन देने का निर्देश दिया है, जो ग्राम पंचायत ऑफिस तक पहुंचने में असमर्थ हैं। ओडिशा में 2023 में भी ऐसा ही एक मामला सामने आया था। 17 अप्रैल 2023 को एक बुजुर्ग महिला को पेंशन लेने के लिए कड़ी धूप में जाना पड़ा था।

संक्षिप्त समाचार

क्षिप्रा नदी को निरंतर प्रवहमान बनाएगी सेवराखेड़ी योजना -जल संसाधन मंत्री सिलावट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि उज्जैन के लिए स्वीकृत सेवराखेड़ी- सिलारखेड़ी परियोजना का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। यह परियोजना के क्षिप्रा नदी को निरंतर प्रवहमान बनाएगी। मंत्रि-परिषद द्वारा स्वीकृत 614 करोड़ 53 लाख रुपए की इस परियोजना में सिलारखेड़ी जलाशय की ऊंचाई बढ़ाई जाकर इसकी जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि की जाएगी। इस परियोजना से उज्जैन जिले के लगभग 65 ग्रामों की 18 हजार 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा भी उपलब्ध हो सकेगी। मंत्री श्री सिलावट ने बताया कि परियोजना में ग्राम सेवराखेड़ी में बैराज बनाया जाएगा तथा इसमें वर्षा ऋतु में संग्रहीत पानी को लिफ्ट करके सिलारखेड़ी जलाशय में पहुंचाया जाएगा। सिलारखेड़ी जलाशय की वर्तमान ऊंचाई बढ़ाई जाएगी, जिससे इसमें अधिक जल संग्रहित हो सके। सेवराखेड़ी से सिलारखेड़ी तक पानी पाइप-लाइन से लिफ्ट कर लगभग 6.5 किलोमीटर पहुंचाया जाएगा, फिर सिलारखेड़ी से 7 किलोमीटर लंबी पाइप-लाइन से इसे ग्राम कुनवारिया के समीप क्षिप्रा नदी में प्रवाहित किया जाएगा। छोड़ा गया पानी क्षिप्रा नदी में श्रद्धालुओं के स्नान आदि के उपयोग के बाद नीचे चितावाद बांध में एकत्र होगा, जिससे लगभग 18 हजार 800 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए लंबे समय से मांग की जा रही थी, जिसे अब मंत्रि-परिषद की मंजूरी मिल चुकी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य क्षिप्रा नदी को निरंतर प्रवहमान बनाकर आगामी सिंहस्थ-2028 में श्रद्धालुओं को स्नान के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराना है। साथ ही भविष्य में पानी की उपलब्धता बनाए रखने तथा प्रवाहित पानी को चितावद बांध में रोककर, सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराना है।

आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप-2024 लीमा पेरू में

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने लीमा (पेरू) में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप में सहभागिता करने वाले सभी खेल अकादमी के खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित करते हुये शुभकामनाऐं दी हैं। अगली 27 सितम्बर से 7 अक्टूबर तक आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप 2024 का आयोजन पेरू की राजधानी लीमा में किया जा रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय स्तर की चैम्पियनशिप में मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी के 5 खिलाड़ी सहभागिता करेंगें। सोमवार को खेल अकादमी के शूटिंग खिलाड़ी लीमा पेरू के लिए भोपाल से रवाना हो गये। सहभागिता करने वाले खिलाड़ियों में सूरज शर्मा, शिवेंद्र बहादुर सिसोदिया, मानसी रघुवंशी, शिवानी रायकवार और सैयद अहयान अली शामिल हैं।

हथियार के लायसेंस निरस्ती के बाद अब वेतन से होगी बिजली बिल की वसूली

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने शस्त्र लाइसेंसधारी के बाद अब सरकारी विभागों में पदस्थ अधिकारियों कर्मचारियों से बकाया बिल वसूली अभियान तेज कर दिया है। इसके लिए कंपनी ने अलग-अलग विभागों में पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों को चिन्हित किया है, जिन पर बिजली बिल के 10 हजार रूपये से अधिक बकाया हैं। इन सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों को 7 दिन के अंदर बिजली बिल बकाया भरना होगा। बिल जमा न होने की स्थिति में इन सभी बकायादार कर्मचारियों की सूची विभाग प्रमुख और कोषालय को भेजी जा रही है। कंपनी ने कहा है कि बकाया बिजली बिल जमा नहीं करने पर इन बकायदारों को अगले महीने वेतन नहीं मिलेगा। बिजली कंपनी ने पहले चरण में विभिन्न सरकारी कार्यालयों में पदस्थ 500 से ज्यादा अधिकारी कर्मचारियों को टारगेट किया है, जिन पर बिजली कंपनी का एक करोड़ रुपए से अधिक बकाया है। गौरतलब है कि बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने इस संबंध में कंपनी कार्यक्षेत्र के सभी 16 जिलों के कलेक्टरों को पत्र लिखकर शासकीय विभाग में कार्यरत सेवकों से राशि जमा करने का आग्रह किया था। इसके बाद कलेक्टरों ने भी जिले के सभी विभाग प्रमुखों को पत्र लिखकर इस बात की आवश्यकता बताई थी। पत्र में कहा था कि जिले के विभिन्न शासकीय विभाग में कार्यरत अनेक शासकीय सेवक, नियमित, संविदा, बाहय स्त्रोत आदि के द्वारा अपने बिजली बिल का नियमित भुगतान नहीं किया जाता है। ऐसे कर्मचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए बिजली कंपनी के प्रबंध संचालक ने पत्र लिखा था। कलेक्टर ने पत्र के माध्यम से विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए कि वह अपने-अपने कार्य क्षेत्र में कार्यरत कर्मचारियों को वेतन मानदेय आदि भुगतान किया जाता है, उनके विरुद्ध बिजली बिल भुगतान समय पर नहीं करने पर उचित कार्रवाई करें। कंपनी ने कहा है कि इनमें से कई कर्मचारियों के ऊपर लाखों रुपए का बिल बकाया है।

अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। अंतर्राष्टीय सांकेतिक भाषा दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम भोपाल में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह के मुख्य आतिथ्य में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण संचालनालय ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे प्रमुख सचिव श्रीमती सोनाली वायंगणकर सहित कमिश्नर एस एस भोसले एवं बड़ी संख्या में वाक् श्रवण चाइल्ड एवं विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में राज्य स्तरीय संस्थाओं के बड़ी संख्या मे छात्र-छात्रा शामिल हुए जिनके नृत्य कार्यक्रम आयोजित किये गए जो श्रवण नहीं कर सकते पर अपने कौशल कला से उत्कृष्ट नृत्य की प्रस्तुति दे रहे। इस दौरान वाक-श्रवणों की समस्या सहित प्रधानमंत्री द्वारा किये जा रहे कार्यों पर एक विस्तृत प्रजेंटेशन डेफ कैन एसोसिएशन की महासचिव श्रीमती प्रीति सोनी ने दिया। कार्यक्रम की थीम सांकेतिक भाषा अधिकारों के लिये समर्थन करे पर रही। कार्यक्रम में सांकेतिक भाषा के महत्व एवं दिव्यांगजनों द्वारा सांकेतिक भाषा के प्रयोग पर संवाद आयोजित किया गया। मंत्री श्री कुशवाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी दिव्यांगजनों को बहुत गंभीरता से लिया है इसके लिये दिल्ली में जल्द ही एक कॉन्फ्रेंस आयोजित की जा रही है, जिसमें विशेष वर्ग के लाभ के लिये क्या किया जा सकता इस पर विमर्श किया जाएगा। आगरा में भी केन्द्रीय मंत्री की अध्यक्षता में चिंतन शिविर आयोजित किया गया था। मध्यप्रदेश सरकार भी इस सम्बंध लगातार कार्य कर रही है साथ ही सभी वाक-श्रवणों के सुझाव लिए जा रहे है, मंत्री श्री कुशवाह ने वाक-श्रवणों की कलाओं, प्रतिभागियों के अद्भुत विद्या की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये स्पेशल बच्चों को बस अवसर देने की आवश्यकता है।

मंत्री तोमर ने घोसीपुरा क्षेत्र की बस्तियों में सघन भ्रमण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ग्वालियर के घोसीपुरा, श्रीविहार, मानस विहार, रामगढ़, डीआरपी लाइन के पीछे एवं घोसीपुरा से जुड़ी बस्तियों की गलियों में घूमकर वरिष्ठ अधिकारियों को बताया कि कहाँ सीवर लाइन ठीक होनी है, कहाँ सड़क बननी है और कहाँ पर स्ट्रीट लाइटें लगाई जानी हैं। मंत्री श्री तोमर ने सोमवार की शाम प्रभारी कलेक्टर श्री विवेक कुमार, पुलिस अधीक्षक श्री राकेश कुमार सगर एवं नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव सहित नगर निगम के अन्य अधिकारियों के साथ घोसीपुरा क्षेत्र की विभिन्न बस्तियों में लगभग दो किलोमीटर पैदल चलकर इन बस्तियों की बुनियादी समस्याओं से अधिकारियों को रूबरू कराया। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव से कहा कि इन बस्तियों में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ सड़क, सीवर लाइन व स्ट्रीट लाइट का काम कराएँ। उन्होंने निर्देश दिए कि नई सड़क का निर्माण व नई सीवर लाइन की स्वीकृति मिलने का इंतजार न करें, उससे पहले तात्कालिक रूप से सड़कों के गड्ढे भरवाकर मरम्मत करें और पुरानी सीवर लाइनों को साफ कराकर सुचारू करें। इस काम में देरी न हो।

शमशाबाद में 35 हेक्टेयर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम के अंतर्गत विदिशा, रायसेन परियोजना मण्डल भोपाल के परियोजना परिक्षेत्र शमशाबाद में वन भूमि के अतिक्रामकों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की गई। इसमें अतिक्रामकों से 35 हेक्टेयर वन भूमि पर अतिक्रमण कर बोई गई फसल नष्ट करते हुए 23 सितम्बर को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया है। वन भूमि के अतिक्रामकों के खिलाफ राज्य सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक विदिशा के निर्देश पर मध्यप्रदेश राज्य वन विकास निगम के संभागीय प्रबंधक विदिशा-रायसेन परियोजना मण्डल भोपाल श्री तरुण कौरव के नेतृत्व में एसडीएम शमशाबाद, एसडीओपी लटेरी, तहसीलदार शमशाबाद, थाना प्रभारी शमशाबाद एवं वन विभाग शमशाबाद के स्टॉफ, राजस्व अमले और पुलिस बल की उपस्थिति में अतिक्रामकों के खिलाफ ठोस कार्रवाई कर वन भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व में बसा तितलियो का संसार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बाघों के लिए विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पहली बार दो दिवसीय बटरफ्लाई सर्वे प्रबंधन ने कराया। टाइगर रिजर्व के 15 कैंपों में 61 सदस्यों ने बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के जंगलों में पैदल सर्वे किया।

सर्वे सीट पर तितलियों की जानकारी को अपडेट किया। दो दिवसीय सर्वे के बाद बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के जंगलों में मिलने वाली तितलियों के अनुमानित प्रजातियां सामने आई। 61 सदस्यों ने बांधों का टाइगर रिजर्व के उन क्षेत्रों में तितलियों का सर्वे किया जहां पर की ग्रास लैंड नदी किनारा और नमी वाले स्थान थे। टाइगर रिजर्व के सहायक संचालक श्री निनामा ने बताया कि अनुमानित आंकड़े 100 से अधिक प्रजातियां बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में तितलियों की है इसमें 5 से अधिक तितलियां दुर्लभ प्रजाति की है।कॉमन रेड ऑय, ब्लैक राजा, फॉरगेट मे नोट,किंग क्रो,इंडियन डॉर्ट लेट तितली भी सर्वे में दिखाई दी।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में पहली बार बटरफ्लाई सर्वे हुआ सर्वे इसलिए भी विशेष था कि इस बार सर्वे में मोबाइल ऐप का उपयोग नहीं किया गया। हाथ से ही सर्वे सीट में पेन से जानकारी को अपडेट किया गया। टाइगर रिजर्व के सूत्रों की माने तो इस प्रक्रिया से थोड़ा समय लगता है। लेकिन आंकड़े सटीक आते हैं।

राज्य मंत्री लोधी ने लापता लेडीज को 97वें आस्कर अवॉर्ड 2025 की फॉरेन फिल्म कैटेगरी में चुने जाने पर दी शुभकामनाएं

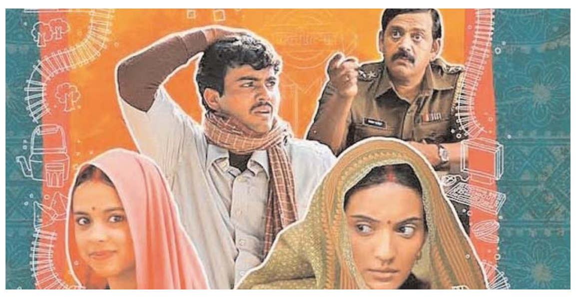

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी ने मध्यप्रदेश में शूट की गई फिल्म लापता लेडीज को 97वें आस्कर अवॉर्ड 2025 की फॉरेन फिल्म कैटेगरी में भारत की ओर से ऑफिशियली चुने जाने पर बधाई और शुभकामना दी है। राज्य मंत्री श्री लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश को फिल्म शूटिंग का हब बनने की दिशा में बेहतर प्रयास किए जा रहे है। इसके लिए फिल्म निर्माताओं को सिंगल विंडो अनुमति के साथ फिल्म पॉलिसी के अंतर्गत सब्सिडी दी जा रही है।मध्यप्रदेश फिल्म पर्यटन की दृष्टि से बहुत ही समृद्ध और उपयुक्त राज्य है, मध्य प्रदेश में वह सब कुछ है जो फ़िल्म निर्माण के लिए आवश्यक है। मध्यप्रदेश की प्राचीन विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सुंदरता और अनुकूल वातावरण फिल्म निर्माताओं के लिए श्रेष्ठ है।

गांव- गांव में सिखाए जा रहे हैं स्वच्छता के नए-नए पाठ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्वच्छ भारत से ही स्वस्थ भारत का निर्माण हो सकता है, इस संकल्पना को साकार करने के लिए पूरे प्रदेश में स्वच्छता ही सेवा अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण में वर्ष 2025 तक प्रदेश के ग्रामों को कचरे और कीचड़ के मुक्ति दिलाकर उन्हें मॉडल श्रेणी का ओडीएफ प्लस गांव बनाने का लक्ष्य है। संपूर्ण स्वस्छता के लिए बेहतर अवशिष्ट प्रबंधन करना भी एक महत्वपूर्ण कारक है। इसी क्रम में स्वच्छता अभियान के तहत गांवों में अवशिष्ट प्रबंधन के नवीन तरीके सिखाने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के नवाचारों के क्रम में इंदौर जिले की जनपद पंचायत इंदौर के ग्राम पंचायत बांक में निर्मित खंड स्तरीय प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट पर कबाड़ से जुगाड़ थीम पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में अपशिष्ट में निकल रहे प्लास्टिक एवं अन्य अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

कबाड़ से जुगाड़ की परिकल्पना अंतर्गत अपशिष्ट को पुन: उपयोग योग्य बनाते है, जिससे अपशिष्ट को पुन: पर्यावरण में जाने से रोकते हुए प्रदूषण को कम करने के विशेष प्रयास किये जा रहे है। कार्यशाला में जिले के 30 स्वच्छाग्रही सम्मिलित हुए एवं कबाड़ से उपयोगी एवं कलात्मक चीजे बनाने की कला सीखी। प्रशिक्षण के पश्चात ये स्वच्छाग्रही अन्य स्थलों पर इस तरह के प्रशिक्षण आयोजित करेंगे। उल्लेखनीय है कि प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन में बांक प्लांट को पूरी तरह से मशीनीकृत किया जा चुका है जिसमें फटका मशीन,बेलिंग मशीन एवं प्लास्टिक क्रशर मशीन स्थापित की गई है। आवश्यकता को देखते हुये अब प्लांट में प्लास्टिक अपशिष्ट को गलाकर दाने बनाए जाने की अग्लो मशीन भी स्थापित करने की योजना है, जिससे प्लास्टिक अपशिष्ट का प्लांट में ही पूरी तरह निपटान हो सकेगा।

बांक प्लांट में वर्तमान में 3 ग्राम पंचायतों को सीधे जोड़ा गया है जिसमें लगभग 1500 किग्रा कचरा प्रतिदिन प्रबन्धित किया जा रहा है। शीघ्र ही इस यूनिट को पूरे खंड के क्लस्टर के साथ जोड़ा जायेगा, जिससे प्रतिदिन लगभग 8 से 10 हजार किलोग्राम कचरा प्रबन्धित किया जा सकेगा। जिले के सभी 4 विकास खंड में खंड स्तरीय प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट का निर्माण कर लिया है, जिसमें कालीविलोद देपालपुर, उमरिया महू एवं मांगलिया सांवेर में स्थित है। ये सभी प्लांट भी मशीनीकृत कर लिये गये है।

चौथे रीजनल इण्डस्ट्री कॉन्क्लेव की मेजबानी करेगा सागर

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2025 को उद्योग वर्ष घोषित किया गया है। इस पहल के तहत, मध्यप्रदेश का द्वि-वार्षिक प्रमुख आयोजन इन्वेस्ट मध्यप्रदेश-ग्लोबल इन्वेस्टर समिट 2025 फरवरी 2025 में भोपाल में आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश में संतुलित और न्यायसंगत विकास की यात्रा शुरू करने, रणनीतिक रूप से निवेश को बढ़ावा देने और क्षेत्र में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए, 27 सितंबर, 2024 को सागर में चौथे क्षेत्रीय उद्योग सम्मेलन (आरआईसी) की मेजबानी करने जा रहा है। यह आयोजन उज्जैन, जबलपुर और ग्वालियर में आयोजित सफल सम्मेलनों की श्रृंखला का चौथा संस्करण है, जिसका उद्देश्य पूरे राज्य में औद्योगिक विकास और सहयोग को बढ़ावा देना है। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और आर्थिक रूप से गतिशील बुंदेलखंड क्षेत्र में स्थित सागर में कॉन्क्लेव जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी मैदान में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन का उद्देश्य प्रमुख उद्योगपतियों, विभिन्न उद्योग संघों के प्रतिनिधियों सहित 2,500 से अधिक प्रतिभागियों को एक साथ एक मंच पर लाना है, ताकि सार्थक चर्चा और सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। यह सम्मेलन विचारों, नवाचार और निवेश का संगम होगा, जो मध्यप्रदेश को तेजी से बढ़ते औद्योगिक केंद्र के रूप में प्रदर्शित करेगा।

खाद्य प्रसंस्करण, समग्र आर्थिक खनन, इंजीनियरिंग और पेट्रोकेमिकल्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों के विकास के साथ, यह क्षेत्र विकास के लिए तैयार है। इस कॉन्क्लेव का उद्देश्य क्षेत्रीय क्षमता का दोहन करना और औद्योगिक विकास में असमानताओं को दूर करना है। क्षेत्र की औद्योगिक क्षमताओं और अवसरों को प्रदर्शित करके, एमएसएमई को मजबूत करना और निवेशकों को आकर्षित करके क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कॉन्क्लेव में व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने और संतुलित विकास को बढ़ावा देने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव वर्चुअल माध्यम से औद्योगिक इकाइयों का उद्घाटन करेंगे तथा निवेशकों को भूमि आवंटन आदेश वितरित करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव निवेशकों के साथ वन-टू-वन मीटिंग करेंगे, जिससे सरकार और इंडस्ट्रियलिस्ट्स के बीच सहयोग और बढ़ेगा। प्रतिनिधियों को खनन, पर्यटन, एमएसएमई, हथकरघा, हस्तशिल्प और कुटीर उद्योगों सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसरों पर जानकारी दी जायेगी। उद्घाटन सत्र के बाद, निवेशक उद्योग हितधारकों के बीच संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नेटवर्किंग लंच में भाग लेंगे। राउंड टेबल मीटिंग और अन्य सत्र होंगे, जिनमें अक्षय ऊर्जा, पेट्रोकेमिकल्स, कृषि, खाद्य प्र-संस्करण, तकनीकी और गारमेण्ट जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर चर्चा की जाएगी। इसके अतिरिक्त, ओडीओपी (एक जिला-एक उत्पाद) कार्यशाला और क्रेता-विक्रेता बैठकें होंगी, जो स्थानीय उद्यमियों और व्यवसायों को अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करेगा। सागर जिले में वर्तमान में 5 औद्योगिक क्षेत्र विकसित है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 265 आवेदकों की समस्याएं निराकरण के दिए निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जनसुनवाई में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के दूरस्थ एवं ग्रामीण अंचलों से आए 265 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। कलेक्टर के निर्देश पर आवेदकों को तत्काल पावती भी उपलब्ध कराई गई। कलेक्टर सोमवंशी ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि जिन आवेदन पत्रों में समय सीमा निर्धारित किया जाता है उसको तत्काल विभाग प्रमुख अपने संज्ञान में लेकर निराकरण कर संबंधित शिकायतकर्ता सूचित करें।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में प्राप्त होने वाले आवेदनों पर पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। जनसुनवाई में हितग्राहीमूलक योजनाओं से संबंधित समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने सभी विभाग प्रमुखों को निर्देशित किया है कि योजनाओं के क्रियान्वयन की प्रत्येक स्तर पर नियमित समीक्षा की जाए। योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही कठिनाइयों की पहचान करें तथा उनका समाधान करते हुए प्रत्येक हितग्राही को पात्रतानुसार लाभान्वित किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर सोमवंशी ने कहा कि शासन द्वारा लोगों की समस्या के त्वरित निराकरण करने की मंशा से जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है। इसे पूरी गंभीरता से लें तथा प्राप्त समस्याओं का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करायें।

इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमान राज, अपर कलेक्टर राजेश शाही, उपखण्ड अधिकारी गोपद बनास नीलेश शर्मा सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

दिव्यांगजनों का परीक्षण शिविर एवं मेडिकल बोर्ड का आयोजन आज

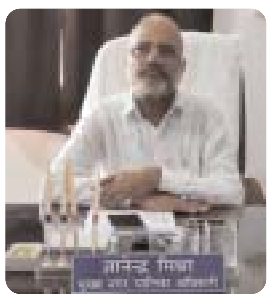

मीडिया ऑडीटर, त्योंथर/डभौरा निप्र। जिला प्रशासन एलिम्को, सामाजिक न्याय एवं भारतीय रेडक्रास सोसायटी, रीवा के द्वारा दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग प्रदाय करने हेतु निःशुल्क परीक्षण शिविर एवं मेडिकल बोर्ड का आयोजन शा.स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय त्योंथर में किया जा रहा है। जिसके संबंध में डभौरा नगरपरिषद सीएमओ ज्ञानेंद्र मिश्रा ने बताया कि 25 सितंबर को विवेकानंद महाविद्यालय त्योंथर में दोपहर 12 बजे से दिव्यांग शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमे जवा, डभौरा, त्योंथर और चाकघाट के दिव्यांग शिविर में आधार कार्ड, दिव्यांगता प्रमाण पत्र-यू.डी.आई डी. कार्ड, आय प्रमाण पत्र, बी.पी.एल कार्ड,चार रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो एवं समग्र आई डी के साथ शिविर में पहुचे। जहा पर दिव्यांगों का परीक्षण के साथ पात्र दिव्यांगजनो को ट्रायसाइकल, व्हील चेयर, बैशाखी एवं कृत्रिम अंग (नकली हाथ-पैर) बाकर, श्रवण एवं मूक, बधिर में कान की मशीन, मानसिक मंद किट, दृष्टि बाधित में केन (स्मार्ट फोन, स्मार्ट केन एवं अन्य कृत्रिम अंग प्रदाय किये जायेंगे। सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी जनपद त्योंथर अरविन्द तिवारी ने त्योंथर तहसील एवं जवा तहसील वासियों से अपील की है, कि अधिक से अधिक दिव्यांगों को जानकारी देकर उपकरण हेतु पंजीयन कराया जाए।

सड़क हादसे में 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत

वाहन चालाक फरार, पुलिस कर रही जांच

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के कठौतहा के पास तेज रफ्तार से आ रही चार पहिया वाहन की टक्कर से एक 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। सीधी चुरहट मार्ग के सोन नदी पुल के पास 60 वर्षीय व्यक्ति रोड पर खड़ा था। तभी अचानक चार पहिया वाहन की ठोकर लगने से वह सिर के बल गिर गया। जिसकी वजह से गंगा यादव निवासी कठौतहा की मौत हो गई।

ग्रामीण प्रशांत यादव ने घटना की जानकारी देते हुए बताया है कि यह हादसा तब हुआ जब व्यक्ति गंगा यादव अपने घर से सड़क पार कर रहे थे। उसी समय, एक तेज गति से आ रही अज्ञात चार पहिया वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। जहां घटनास्थल पर ही इनकी मौत हो गई है। इसके बाद लोगों ने डायल हंड्रेड की टीम को सूचना दी जहां मौके पर चुरहट पुलिस पहुंच गई है और पोस्टमार्टम के लिए उसे ले जाया गया है।

चुरहट थाना प्रभारी पुष्पेंद्र मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया है कि एक्सीडेंट की सूचना हमें प्राप्त हुई थी। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची जहां से फोर व्हीलर वहां मौजूद नहीं था वह भाग गया था। जिसकी तलाश लगातार की जारी है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के हितग्राहियों को 450 रूपए में मिल रहे गैस सिलेंडर

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। महिलाओं को रसोई के चूल्हे के धुएं से मुक्ति दिलाने के लिए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत निःशुल्क गैस कनेक्शन प्रदाय किए गए हैं। लेकिन रसोई गैस सिलेंडर के दामों में वृद्धि से उनके रिफिल में महिलाओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा था। ऐसे में प्रदेश में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना तथा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के हितग्राहियों को 450 रुपये में गैस सिलेंडर रिफिल की सुविधा उपलब्ध कराकर क्रांतिकारी पहल की गई है।

नगर पालिक परिषद् सीधी के वार्ड 24 की गुलबासा अंसारी पति सलमान खां का गैस सिलेंडर खरीदने का सपना भी प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से पूरा हुआ था। उन्होंने बताया कि गैस कनेक्शन तो प्राप्त हो गया लेकिन उसकी रिफिलिंग समय से नहीं करा पाते थे। पति मजदूरी करके घर का खर्चा और बच्चों की पढ़ाई किसी तरह चलाते थे।

गैस धीरे-धीरे बहुत महंगा हो गया जिसे भरा पाना उनके लिए चिंता का विषय हो चुका था। अब प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की पहल से यह चिंता दूर हो गई है। अब उन्हें 450 रुपए में गैस सिलेंडर प्राप्त हो जाता है एवं बाकी जमा राशि सब्सिडी के रूप में खाते में वापस आ जाती है। उन्होंने उन जैसी कई महिलाओं की चिंता करने के लिए प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया है।

उन्होंने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास भी प्राप्त हुआ है जिसमें वह खुशी से सपरिवार रहती हैं। बरसात के दिनों में चूल्हे में खाना बनाना एक चुनौती सा रहता था। पूरे घर में धुआं ही धुआं हो जाता था और बारिश के कारण लकड़ी भी सुखी नहीं मिल पाती थी जिससे अब छुटकारा मिल गया है। अब धुआं की समस्या नहीं रहती। घर में बच्चे भी खुशी से रहते हैं। उन्होंने बताया कि शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी उन्हें प्राप्त हो रहा है। आयुष्मान कार्ड भी सरकार द्वारा बनाया गया है।

दिव्यांग को नहीं मिला आवास

कलेक्टर से लगाई गुहार, व्यवस्था पर खड़े किए सवाल

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। चितरंगी ब्लॉक में आवास योजना के क्रियान्वयन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यहां दिव्यांगों को योजना का लाभ नहीं मिल सका है। जबकि दिव्यांगों को आवास देने की प्राथमिकता है। ऐसा ही एक मामला कलेक्टर के जनसुनवाई में देखने को मिला है।

जहां दोनों पैर से दिव्यांग गरीब आवास पाने के लिए दर-दर भटक रहा है। सिर पर छत के लिए कोई सार्थक पहल नहीं कर रहा, जिसके चलते दिव्यांग निराश है। उनकी सर्दी, गर्मी और बरसात की रात छप्पर में गुजर रही है। चितरंगी ब्लाक के गेरूई गांव के दिव्यांग रामसुंदर सिंह गोड़ पिता बब्बू सिंह गोड़ दोनों पैर से पूर्ण रूप से विकलांग हैं। उसके पास एक टूटा-फूटा छप्पर का आशियाना है। वह कहते हैं कि मुझे आज तक सरकार के द्वारा चलाए जा रहे आवास योजना का लाभ नहीं मिला है। अब दिव्यांग जनसुनवाई में पहुंच कलेक्टर से आवास के लिए गुहार लगाई है।

हर जगह निराशा हाथ लगी: दिव्यांग ने बताया कि वह अपनी पीड़ा लेकर तहसील और ब्लॉक तक की दौड़ लगा कर थक चुके हैं। हर जगह से निराशा ही हाथ लगी है। उन्होंने कहा कि अक्सर सुनने में आता था कि दिव्यांग लोगों को प्राथमिकता के साथ आवास की सुविधा दे रही है। इसी सूचना के आधार पर कई बार जिम्मेदारों के दर पर दौड़ लगाया, लेकिन अधिकारी केवल आश्वासन देते रहे।

इस मामले में कलेक्टर चंद्रशेखर शुक्ला ने बताया कि दिव्यांग की समस्या से चितरंगी एसडीएम को अवगत करा दिया गया है और किन कारणों से दिव्यांग को आवास नहीं मिला है। उसकी पड़ताल करेंगे और अगर पात्र है तो उसे आवास योजना का लाभ दिया जाएगा।

पोषण माह के तहत आगनवाड़ी केंद्रों में हुआ मंगल दिवस का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पोषण माह के दौरान एक सितंबर से 30 सितंबर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर लोगों को पोषण के प्रति जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार 24 सितंबर को जिला कार्यक्रम अधिकारी आर सी त्रिपाठी के निर्देश में महिला बाल विकास परियोजना सीधी 1 के परियोजना अधिकारी के मार्गदर्शन पर सेक्टर पर्यवेक्षकों के उपस्थिति में आगनवाड़ी केंद्रों में माह का चौथा मंगलवार को लालिमा दिवस मनाया गया।

पत्नी को दौड़ा-दौड़ा कर पीटा

आरोपी पति फरार, पुलिस ने दर्ज किया केस

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली के बिरकुनिया में पत्नी-पति के बीच बहस के बाद मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो 11 सितंबर का है, जिसमें आरोपी पति अपनी पत्नी को दौड़ा कर डंडे से पीट रहा है। इसके बाद उसे उठाकर जमीन पर पटक देता है। जिसके बाद पत्नी बेहोश हो जाती है।

सोमवार को घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस मामले में एक्टिव हो गई है। महिला ने 12 सितंबर को थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वहीं पुलिस ने अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया है। आरोपी पति मारपीट के बाद से ही फरार है।

गोरबी चौकी प्रभारी भीपेंद्र पाठक ने बताया कि बिरकुनिया निवासी बीना बसोर ने पुलिस में पति बबुंदर बसोर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि उसके पति ने 11 सितंबर को डंडे से पिटाई की है। जिसके बाद पुलिस आरोपी पति बबुंदर बसोर के खिलाफ आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना रही है। वहीं घटना के बाद से आरोपी पति फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है।

मौके के मौजूद व्यक्ति ने बनाया वीडियो: वायरल वीडियो में आरोपी पति अपनी पत्नी को दौड़ा-दौड़ा कर डंडे से पीट रहा है। पत्नी खुद को बचाने की कोशिश करती है। घटनास्थल पर मौजूद लोग मारपीट रोकने की कोशिश करते हैं। डंडे से मारपीट के बाद पति महिला को जमीन पर पटक देता है। इस दौरान महिला गंभीर रूप से घायल हो जाती है। वहीं पिटाई के दौरान वहां मौजूद एक शख्स ने मारपीट का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया है।

एक लाख रूपए धोखाधड़ी कर फरार हुआ ऑफिसर

स्मार्ट फोन और शेष नगदी के साथ पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। कोतवाली पुलिस ने फाइनेंस कंपनी के फील्ड क्रेडिट ऑफिसर को गिरफ्तार किया हैं। फील्ड क्रेडिट ऑफिसर पर एक लाख रूपए की धोखाधड़ी और गबन का आरोप हैं।

थाना प्रभारी अरविंद जैन ने बताया कि फाइनेंस के ब्रांच मैनेजर रवि शंकर लोधी पिता अशोक कुमार लोधी उम्र 28 साल निवासी अनूपपुर ने धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराए था। उसने बताया था कि कंपनी के अनूपपुर ब्रांच में फील्ड क्रेडिट आफिसर के पद पर सतीष कुमार चौधरी पिता सियाराम चौधरी उम्र 24 साल निवासी ग्राम सटना थाना नागौद जिला सतना कार्यरत हैं।

19 सितंबर को शाखा का क्लोजिंग कैश बैलेंस 2 लाख 57 हजार 968 रूपए आई.सी.आई.सी.आई. बैंक अनूपपुर में कंपनी के खाता में जमा कराने के लिए भेजा था। फील्ड ऑफिसर अचानक बिना अनुमति अवकाश पर चला गया और बाद में पता चला कि फील्ड ऑफिसर ने केवल 1 लाख 57 हजार 968 रूपए बैंक में जमा किए हैं। 1 लाख रूपए का धोखाधड़ी कर गबन कर फरार हो गया है। कोतवाली पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया।

थाना पुलिस की टीम ने फाइनेंस कंपनी के फरार हुए फील्ड क्रेडिट ऑफिसर सतीष कुमार चौधरी को नागौद जिला सतना से गिरफ्तार कर लिया। गबन की धनराशि से खरीदा गए तीस हजार रूपए का स्मार्ट फोन और शेष नगदी राशि को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

दीवार गिरने से मजदूर की मौत

वेंकटनगर गांव में नाली निर्माण के दौरान खुदाई करते समय हुआ हादसा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर जिले के जैतहरी जनपद के ग्राम पंचायत वेंकटनगर में नाली निर्माण का कार्य के दौरान दीवार गिरने से दब कर मजदूर की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत वेंकटनगर में वार्ड क्रमांक 7 से वार्ड 9 तक पंचायत नाली निर्माण कार्य कर रही है। निर्माण के दौरान आज दोपहर करीब 3 बजे वार्ड क्रमांक 9 निवासी जनार्दन प्रसाद उपाध्याय की बाउंड्री (दीवार) के पास खुदाई करते समय हिरईया सिंह (45) मलबे में दब गया।

इसके बाद मौके पर मौजूद लोग उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वेंकटनगर चौकी प्रभारी अमरलाल यादव ने बताया कि ग्राम पंचायत नाली का निर्माण करा रही है। निर्माण के दौरान वहीं मौजूद बाउंड्रीवाल गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही हैं।

एक सप्ताह के बाद जिला मुख्यालय में हुई बारिश

लगभग आधे घंटे तक गिरा पानी, लोगों को उमस भरी गर्मी से मिली राहत

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर के जिला मुख्यालय में एक सप्ताह के बाद मंगलवार को तेज बारिश हुई। बारिश लगभग आधे घंटे तक हुई। जिसके बाद से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। लगभग एक सप्ताह तक बारिश नहीं होने से जिला मुख्यालय में तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया था। जिससे लोग परेशान थे।

इसके अलावा, आसपास के गांव में भी आज लगभग आधे घंटे तक बारिश हुई। वहीं, लोग गर्मी की वजह से मौसमी बीमारियों से भी संक्रमित हो रहें थे। आज जिला मुख्यालय में हुई बारिश से मौसम में ठंडक आ गई।

जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत में मुक्तिधाम नहीं

सरकारी कर्मचारी के अंतिम संस्कार के लिए परेशान होते रहे परिजन

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना जनपद पंचायत की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत इटवाकलां में अंतिम संस्कार के लिए मुक्ति धाम के नहीं होने से लोग शवों के अंतिम संस्कार के लिए परेशान हो रहे है। मंगलवार को गांव के छात्रावास पदस्थ कर्मचारी की बीमारी के चलते मौत हो गई। लेकिन पंचायत में मुक्ति धाम नहीं होने से परिजन अंतिम संस्कार के लिए परेशान होते रहे।

दरअसल, जिले की सबसे बड़ी ग्राम पंचायत इटवांकला क्षेत्र में नयापुरा, मड़ैयन, डोभा, लुधगवा, रामपुरा गांव शामिल है। जिनमें डोभा गांव में दो मुक्ति धाम है। इसके अलावा पंचायत के किसी गांव में मुक्ति धाम नहीं है। इटवांकला में सिर्फ कागजों में मुक्ति धाम बना है। पंचायत की आबादी 8275 हैं, जिसमें 4396 पुरुष और 3879 महिलाएं है।

सोमवार रात को छात्रावास में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी भैयालाल चौधरी की उल्टी दस्त के चलते मृत्यु हो गई थी। मंगलवार सुबह परिजनों ने जब उनके अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे तो पता चला कि वहां गांव के दबंगों ने अवैध कब्जा कर खेती करना शुरू कर दिया।

इसके बाद आक्रोशित परिजनों ने ग्रामीणों ने पंचायत भवन में ही अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियां डाल दी। सरपंच और सचिव ने मौके पर पहुंचकर सभी को समझाईश दी। इसके बाद परिजनों ने अतिक्रमण वाली जमीन पर ही अंतिम संस्कार किया।

मामले में ग्राम पंचायत के सचिव गणेश कुशवाहा ने बताया कि इटवांकला कला में एक मुक्ति धाम है। दूसरे का प्रस्ताव बनाकर भेजा जाएगा, स्वीकृति मिलने पर मुक्ति धाम बनवाया जाएगा।

मड़ैयन गांव में मुक्ति धाम के लिए 2.75 लाख की राशि स्वीकृत है। जिस जमीन पर मुक्ति धाम बनवाया जा रहा था, उसमें विजय कुशवाहा नाम के व्यक्ति ने अवैध कब्जा किया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 3362/न.पा.नि./राजस्व/2024-25 रीवा, दिनांक 24/9/24

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की व्यवसायिक योजना व्यंकट बाजार रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में निर्मित फ्लैट क्रमांक क्रमांक 19 क्षेत्रफल 59.86 वर्गमीटर श्री एस एन सिंह पिता श्री जगनारायण सिंह को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, इनकी मृत्यु पश्चात, इस फ्लैट का नामान्तरण श्री शम्भू सिंह पिता स्व. श्री सुरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम विहटा थाना इमादपुर जिला भोजपुर बिहार के नाम किये जाने हेतु दिनांक 20.09.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त फ्लैट क्रमांक क्रमांक 19 के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात आवेदक के आवेदन अनुसार फ्लैट क्रमांक क्रमांक 19 का नामांतरण श्री शम्भू सिंह पिता स्व. श्री सुरेन्द्र सिंह निवासी ग्राम विहटा थाना इमादपुर जिला भोजपुर बिहार के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

विचार

प्रजातंत्र के अन्य तीन स्तंभ निष्क्रीय और खोखले

भारत की आजादी की हीरक जयंति' मनाने के बाद आज के हालातों को देखकर यह सहज ही महसूस होता है कि प्रजातंत्र की परिभाषा के चार अंगों से तीन अंग करीब-करीब निष्क्रीय हो चुके है और अब केवल और केवल न्यायपालकिा ही प्रजातंत्र का मुख्य आधार स्तंभ बन गया है, जिस पर देश की जनता को आज भी पूरा भरोसा है, शेष तीन स्तंभ विधायिका, कार्यपालिका और खबर पालिका अपने मूल अस्तित्व खो चुके है और समय के साथ आज की गैर प्रजातंत्री बाढ़ के साथ बहने लगे है। सिर्फ न्यायपालिका ही है जो प्रजातंत्र की हर जरूरत पूर कर रही है और उसकी मर्यादा रख रही है। मेरी इस धारणा का ताजा उदाहरण पिछले दिनों उस समय सामने आया जब प्रधानमंत्री जी सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के निवास पर गणेशोत्सव के कार्यक्रम में शामिल हुए और महाराष्ट्र के प्रमुख राजनीतिक दल शिवसेना (उद्धव) ने इस परिदृष्य पर अनाप-शनाप टिप्पणियां की और उनके प्रवक्ता ने तो यहां तक कह दिया कि- मोदी सरकार के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में उनके द्वारा दायर मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश न करें तथा उसे किसी दूसरे न्यायाधीश को सौंप दे'', क्योंकि इस परिदृष्य को देखकर उन्हें उचित न्याय की उम्मीद नही रह गई है, किंतु सर्वोच्च न्यायालय ने दूसरे दिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानती मामले में मोदी सरकार पर जो पूर्वाग्रह पूर्वक काम करने की टिप्पणियां की, उसने यह सिद्ध कर दिया कि व्यक्तिगत सम्बंध न्याय की गरिमा में बाधक नही बन सकते और भारतीय प्रजातंत्र में आज न्यायपालिका ही सर्वोपरी है, जो अपने धर्म व कर्तव्य का निर्वहन बड़ी ईमानदारी व निष्ठा के साथ कर रही है और न्यायपालिका ने ही प्रजातंत्र को देश में अब तक जीवित रखा हुआ है।

अरविंद केजरीवाल की जमानत वाले प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने टिप्पणियां की वे भारतीय न्याय व्यवस्था को शिखर पर बैढ़ाने वाली है, इन टिप्पणियों में भारत की मुख्य सरकारी जांच एजेंसी सीबीआई (केन्द्रीय जांच संगठन) की कार्यप्रणाली को लेकर तीखी टिप्पणियां की गई है और सर्वोच्च न्यायालय की ये टिप्पणियां स्पष्ट करती है कि- सीबीआई निष्पक्ष नही है तथा वह पूर्णतः सरकार की मंशा के अनुरूप सरकार में विराजित राजनेताओं के राजनीतिक मकसदों की पूर्ति करती है, इस फैसले में उक्त सरकारी जांच एजेंसी सीबीआई पर अनेक सवाल खड़े किए गए है, खास करके एक न्यायाधीश की यह टिप्पणी कि- सीबीआई को अपने को, पिंजरें के तोते वाली छवि से मुक्त करना चाहिए।''

चुनौतियों के संग दिल्ली में 'आतिशी' पारी का आरंभ?

डॉ. रमेश ठाकुर

मैं आतिशी ईश्वर की शपथ लेती हूं..........के साथ ही आतिशी दिल्ली की 8वीं और तीसरी महिला मुयमंत्री बन गईं। पार्टी ने बहुत सोच समझकर उन्हें ये पद सौंपा है। महिला हैं, विश्वास पात्र हैं और पार्टी के प्रति पूर्ण वफादार भी हैं, इसलिए, वरना अरविंद केजीवाल बिहार के मुयमंत्री नीतीश कुमार और झारखंड़ के मुयमंत्री हेमंत सोरेन जैसा जाखिम जानबूझकर नहीं उठाते। उन दोनों ने भी कभी अपनी जगह जीतनराम मांझी और चंपई सोरेन को मुयमंत्री की कुर्सी सौंप दी थी, जिन्होंने कुछ महीनों में ही आंखें दिखानी शुरू कर दिया थी।

खैर, केजरीवाल भी इस कड़ी में शामिल होते, उसके लिए उन्होंने गंभीरता से होमवर्क करके ही अपनी सीट पर आतिशी को बैठाने का निर्णय लिया। फिलहाल दिल्ली की स्थिति बिहार-झारखंड जैसी नहीं हैं। क्योंकि दिल्ली में अगले चार-पांच महीनों के भीतर ही विधानसभा के चुनाव होने हैं। अब से कुछ समय बाद ही आचार संहिता लग जानी है। पार्टी कार्यकर्ता आतिशी की ताजपोशी को बेशक 'आतिशी पारी' कह रहे हों, पर चुनौतियों की भी कोई कमी नहीं है? सभी भली भांति जानते हैं कि नई मुख्यमंत्री के लिए करने को कुछ ज्यादा नहीं है। सिर्फ नाम भर की मुख्यमंत्री रहेंगी। ये भी सच हैं कि कुर्सी पर बेशक आतिशी बैठें, लेकिन चलाएंगे केजरीवाल ही? सरकार संचालन का रिमोट केजरीवाल के पास ही सदैव होगा। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल अभी कोर्ट-कचहरी और कानूनी पचेड़े में बुरी तरह से फंसे हुए हैं। आतिशी को दिल्ली की कमान सौंपने के पीछे एक वजह ये भी है कि वो महिला हैं इसलिए विपक्ष खासकर भाजपा खुलकर हमलावर नहीं होगी। पार्टी नेताओं की माने तो आतिशी को चुनाव तक के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस बीच वो गड़बडाई पार्टी की स्थिति को कितना संभाल पाती हैं, ये उनके सामने कड़ी परीक्षा जैसी रहेगी। फिलहाल राज निवास में आयोजित एक समारोह में शनिवार को उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने उनको मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवा दी है। दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के साथ ही उन्होंने भारत की 17वीं महिला मुख्यमंत्री बनने का गौरव भी हासिल कर लिया। समारोह में मौजूद रहे विपक्षी नेता बिजेंद्र गुप्ता, भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने भी उन्हें मुख्यमंत्री बनने की बधाइयां दी। दिल्ली के कालकाजी से विधायक आतिशी ने शपथ लेने के बाद अरविंद केजरीवाल के पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया। आतिशी आम आदमी पार्टी के कोटे से चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं, उनसे पूर्व 3 मर्तबा पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल खुद मुख्यमंत्री रहे हैं। आतिशी के जगह अगर कोई पुरुष नेता मुख्यमंत्री बनता, तो भाजपा हमलावर होती। इसलिए केजरीवाल ने महिला को सीएम की कुर्सी सौंपकर बड़ा सियासी दांव खेला है। मुख्यमंत्री आतिशी के समक्ष चुनौतियां बेशक हजार हो, लेकिन पार्टी उनके पीछे खड़ी है। पार्टी उन्हें चुनाव तक धुंआधांर पारी खेलने का मौका देगी। क्योंकि अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी की वापसी भी करवानी है। मीडिया और सार्वजनिक रूप से सबसे बड़ा सवाल यही है चारो ओर गूंज रहा है कि क्या अगले वर्ष होने वाले चुनाव तक मुख्यमंत्री आतिशी पार्टी की वापसी करवा पाएंगी या नहीं? दिल्ली के सरकारी कामकाज काफी हद तक रुके हुए हैं। उन्हें दोबारा से संचालित करना होगा। पार्टी के कई नेता नाराज होकर दूसरे दलों में चले गए हैं और कोई न जाए, उन्हें रोकना होगा। रूठे नेताओं को मनाना होगा। एमसीडी जोन चुनाव में पार्टी भाजपा से पिछड़ चुकी है, दोबारा से पटरी पर लाना होगा। ऐसे कई मुद्दे नई मुख्यमंत्री के सामने मुंह खोले खड़े हैं। उन सभी को उन्हें पार पाना होगा। कुछ कठोर निर्णय भी लेने पड़ सकते हैं।

अगले सप्ताह विधानसभा का सत्र भी बुलाया गया ।दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य महका भी चरमरा गया है, जबकि ये ऐसे महकमें है जिनके बूत उनकी पार्टी प्रचार करती है।शिक्षा में क्रांति लाने वाले मनीष सिसोदिया भी मंत्रिमंडल का हिस्सा नहीं है। दिल्ली में पूर्व के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल पर अगर नजर डाले, तो कईयों का बहुत अच्छा इतिहास और शानदार कार्यकाल रहा। एकाध मुख्यमंत्रियों ने तो लंबे समय तक राजधानी पर राज किया। पहले मुख्यमंत्री थे ब्रह्म प्रकाश, जो 17 मार्च 1952 से लेकर 12 फरवरी 1955 तक दिल्ली के मुखिया रहे। दूसरे, नंबर पर गुरमुख निहाल सिंह रहे जिनका कार्यकाल 12 फरवरी 1955 से लेकर 1 नवंबर 1956 तक रहा। तीसरे, मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना हुए उन्होंने 2 दिसंबर 1993 से लेकर 26 फरवरी 1996 तक दिल्ली की कमान संभाली। चौथे मुख्यमंत्री की बात करें, तो साहिब सिंह वर्मा थे जिन्होंने 26 फरवरी 1996 से लेकर 12 अक्टूबर 1998 तक दिल्ली को मुख्यमंत्री के तौर पर संभाला। वहीं, पहली महिला मुख्यमंत्री सुषमा स्वराज थी जिनका कार्यकाल कम अवधि का था, वह मात्र 12 अक्टूबर 1998 से 3 दिसंबर 1998 तक ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर रहीं। वहीं, दूसरी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शीला दीक्षित ने लंबा कार्यकाल बिताया उन्होंने 3 दिसंबर 1998 से लेकर 1 दिसंबर 2003, 2 दिसंबर 2003 से 29 नवंबर 2008 तक और फिर 30 नवंबर 2008 से 28 दिसंबर 2013 तक दिल्ली की सेवा की। उनका कार्यकाल कई मायनों में यादगार रहेगा। सफल कॉमनवेल्थ गेम्स से लेकर मेट्रो के आगमन का श्रेय उन्हीं ही दिल्लीवासी देते हैं। इन सभी के बाद फिर आम आदमी पार्टी का आगाज हुआ, नई आम आदमी पार्टी वजूद में आई उनके संयोजक अरविंद केजरीवाल ने 28 दिसंबर 2013 से लेकर 14 फरवरी 2014 तक, फिर 14 फरवरी 2015 से लेकर 15 फरवरी 2020 और फिर 16 फरवरी 2020 से लेकर 21 सितंबर 2024 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे। अब आतिशी की पारी का आगाज हुआ है। दिल्लीवासियों को उनसे भी बहुत उम्मीदें हैं, देखते वह कितना खरा उतर पाती हैं।

पालतू जानवरों पर इतनी निर्दयता क्यों

टेमी हरबोल्ट अमरीका के लुइसविले विश्वविद्यालय में जैंडर पढ़ाती हैं। वे पशु-पक्षियों की रक्षा करने वाले आंदोलन की प्रमुख नेत्री भी हैं। उनके अनुसार औरतें हमेशा से पशु-पक्षियों की रक्षा करती आई हैं। उन्हें पालती आई हैं। अमरीका में सन 1800 से पशुओं की रक्षा का आंदोलन चल रहा है। आज भी इसमें 80 प्रतिशत महिलाएं ही काम करती हैं। हरबोल्ट के अनुसार शोध बताते हैं कि महिलाओं ने ही पशुओं को घर में रहना सिखाया, उन्हें पालतू बनाया। उन्होंने ही पेड़-पौधों को घर में उगाया। सदियों से घरों में गाय, भैंस, बैल, बकरियां, भेड़ें, कुत्ते, खरगोश, बत्तखें आदि जानवर पाले जाते रहे हैं। इनकी देखभाल औरतें ही करती आई हैं। हरबोल्ट की बात सही है। भारत के ग्रामीण इलाकों में आज भी अधिकांश महिलाएं ही पशुओं की देखभाल करती हैं। वे ही उनका दूध निकालती हैं। चारा-पानी से लेकर नहलाती-धुलाती हैं। भारत में शहरी क्षेत्रों में भी यही देखने को मिलता है। यहां तक कि बहुत-सी औरतें तो अपने पालतू जानवरों को भी अपने साथ ले जाती हैं। इस लेखिका ने भी देखा है कि कई नौकरीशुदा महिलाएं अपनी बिल्लियों, कुत्तों, खरगोशों आदि को दफ्तर साथ ले जाती हैं। अब भारत में बहुत सी कम्पनियां अपने कर्मचारियों को अपने पालतुओं को दफ्तर साथ लाने की अनुमति भी दे रही हैं। कुछ इन शर्तों के साथ कि वे किसी को नुकसान न पहुंचाएं और काम में व्यवधान पैदा न करें। चाहे पश्चिमी देश हो या भारत, यहां बहुत सी अकेली रहने वाली लड़कियां अपने साथ के लिए कोई जानवर पालती हैं। वे उनकी देखभाल बच्चों की तरह करती हैं। बहुत से लड़के भी ऐसा करते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि पालतू जानवर तनाव से मुक्त करते हैं। वे बेहतर साथी भी होते हैं। बिना कहे भी बात समझ जाते हैं। हरबोल्ट के अनुसार अमरीका में ऐसे लोग भी देखने में आते हैं, जो पहले तो जानवरों को पालते हैं, लेकिन जब उनकी देखभाल नहीं कर पाते, तो उन्हें अनाथ छोड़ देते हैं। यदि ये बीमार हो जाएं, तो भी इन्हें छोड़ दिया जाता है। क्योंकि इन दिनों अमरीका के अधिकांश वैटर्नरी क्लीनिक, बड़ी कम्पनियों के कब्जे में हैं और वहां इलाज बहुत महंगा भी है।

वहां और अपने यहां भी जानवरों के प्रति ऐसी क्रूरता रोकने के लिए कठोर कानून नहीं हैं। अपने यहां तो अगर कानून हों भी, तो कौन इनका पालन करता है। अपने यहां का एक और उदाहरण देखें।

अमीर बच्चे लग्जरी कारों में क्यों धमाल मचाते रहते हैं?

इस लेख की सभी सुर्खियां एक कहानी बयां करती हैं। सबसे पहले हाल की खबर से शुरुआत करते हैं।

-10 सितंबर, महाराष्ट्र भाजपा प्रमुख बावनकुले के बेटे की ऑडी ने नागपुर में कई वाहनों को टक्कर मारी, ड्राइवर गिरफ्तार।

-27 मई, पुणे पोर्श दुर्घटना में नाबालिग के दादा को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का कहना है कि उसने ड्राइवर को दोष अपने ऊपर लेने को कहा, और उसे ईनाम देने का वादा किया।

-26 मई, पुणे पोर्श दुर्घटना के कुछ दिन बाद, तेज रफ्तार ऑडी लग्जरी कार ने नोएडा में दूध खरीदने गए बुजुर्ग व्यक्ति को मार डाला।

भारत में सड़क दुर्घटनाओं की दर दुनिया में सबसे ज्यादा है। इस आंकड़े में एक उप-श्रेणी है। अमीर और शक्तिशाली लोगों की संतानों द्वारा चलाई जाने वाली लग्जरी कार, जो अक्सर नियंत्रण से बाहर हो जाती है। स्थिति इतनी जटिल है कि जब कोई ऐसी घटना के बारे में सुनता है, तो उसे तुरंत पता चल जाता है कि यह किसी राजनेता, व्यवसायी या बिल्डर की संतान होगी। इसके बाद जो होता है वह भी उतना ही फार्मूलाबद्ध है। ड्राइवर जिम्मेदारी लेता है, साहब का बेटा दूसरी कार में बैठकर मौके से गायब हो जाता है, और सी.सी.टी.वी. फुटेज गायब हो जाती है। कहानी पहले पन्ने से गायब हो जाती है जब तक कि वही दुर्घटना फिर से नहीं हो जाती, और वही परिणाम बार-बार सामने आते हैं।

'ड्राइवर बहाने' की जड़ें गहरी हैं। इस सदी में, इसकी शुरुआत 27-28 सितंबर 2002 की रात सलमान खान से होती है, जब उनकी लैंड क्रूजर कार बांद्रा में अमेरिकन एक्सप्रैस बेकरी से टकरा गई थी। 6 सितंबर, 2019 को, शीर्षक था, 2002 हिट एंड रन केस में ट्विस्ट - मैं कार चला रहा था, सलमान खान के ड्राइवर ने कोर्ट को बताया। एक और हैडलाइन पढने को मिलती है। जनवरी 2014 में एक अरबपति की एस्टन मार्टिन की 'अजीब घटना' सामने आती है। फिर से, ड्राइवर सामने आता है। बहुत पहले 2008 में, अरविंद अडिगा ने अपने बुकर विजेता 'द व्हाइट टाइगर' उपन्यास में इस विवरण को शामिल किया था, जिसने इस बहाने को साहित्यिक इतिहास में अमर और प्रतिष्ठित कर दिया।

उपन्यास का नायक बलराम, एक अमीर परिवार के लिए ड्राइवर के रूप में काम करता है, उसे एक कार दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है जिसमें उसके मालिक की पत्नी शामिल होती है। ये दुर्घटनाएं उदारीकरण के बाद की घटनाएं हैं। इसकी समय-सीमा पिछले 25 वर्षों से चली आ रही है। ऑडी के

निर्माताओं की कोई गलती नहीं है कि यह कार भारत के अमीरों की पसंदीदा बन गई। अगर स्कॉच की बात की जाए, तो भारतीयों को एक ब्रांड दूसरों से ज्यादा पसंद है वह है जॉनी वॉकर ब्लैक। समाजवादी समय में, यह ब्रांड वैट 69 था। वर्तमान में ऑडी कारें देसी-अमीर लोगों के लिए जॉनी वॉकर ब्लैक की तरह हैं। 2010 और 2020 के बीच, हमने लैम्बोर्गिनी दुर्घटनाओं के बारे में अधिक सुना। अगस्त 2016 को मुंबली में 15 करोड़ की लैम्बोर्गिनी एक ऑटो से टकरा गई। फरवरी 2012 को दिल्ली में लैम्बोर्गिनी ड्राइवर ने साइकिल सवार को टक्कर मारी और चालक की मौत हो गई। व्याकरण की दृष्टि से भ्रामक शीर्षक ईश्वरीय न्याय का भ्रम प्रदान करता है कि साइकिल सवार नहीं बल्कि ड्राइवर की मौत हुई। लेकिन अफसोस, यह एक भ्रम है।

जुलाई 2014 में पार्किंग अटेंडेंट के लिए मेरा दिल दुखा था। होटल के वैलेट ने 3 करोड़ की लैम्बोर्गिनी को बर्बाद कर दिया। वह गैलार्डो स्पाइडर को 5-स्टार होटल (अधिक पोर्श-फ्रैंडली?) के पोर्च पर ला रहा था, जब उसने गाड़ी का नियंत्रण खो दिया। क्या कार की गलती है? क्या ड्राइवर की गलती है? या शराब की गलती है? गाड़ी चलाने वाले व्यक्ति की मूर्खता के अलावा शराब एक कारक है। एक और कारण है, जिसका खुलासा अभिनेता इमरान खान ने एक साक्षात्कार में गलती से किया था। उन्होंने अपने लिए एक फेरारी खरीदी, उसे बेच दिया और एक वी. डब्ल्यू.पोलो खरीदी। स्टार वह हंक बन गया जिसने अपनी फेरारी बेच दी। 28 साल की उम्र में, आपको इन चीजों को चलाने के बारे में कुछ भी नहीं पता होता। यह बहुत ज्यादा शक्तिशाली है और आपकी वास्तविक क्षमता से कहीं ज्यादा बड़ी कार है। और मुझे जल्दी ही पता चल गया कि यह कार मुझसे कहीं ज्यादा बड़ी है। मैं इस वाहन की क्षमताओं के आसपास भी नहीं पहुंच पा रहा हूं।

इस कथन में इस सवाल का जवाब छिपा है कि अमीर भारतीय बच्चे अपनी लग्जरी कारों को हर समय क्यों चलाते रहते हैं? उन्हें गाड़ी चलाना नहीं आता। और यहां विडम्बना यह है कि उनके ड्राइवर, जो समाज के निचले तबके से आते हैं, इन सुपरकारों को संभाल सकते हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि उन्हें ही पुलिस का सामना करना पड़ता है।-पलाश कृष्ण मेहरोत्रा

पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग

धमाके से गूंजा इलाका, आसपास लोगों की बसाहट, मौके पर 8 फायर-ब्रिगेड की गाड़ियां

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के पटाखा गोदाम में भीषण आग लगी है। देखते ही देखते आग की लपटें तेजी से उठने लगीं। कुछ ही देर में गोदाम में रखे पटाखे फूटने लगे।

भीषण आग से आस-पास अफरा-तफरी मच गई है। बताया जा रहा है कि अवैध रूप से पटाखों को डंप कर रखा गया था। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है।

वहीं आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम और तोरवा पुलिस मौके पर पहुंची है। आग बुझाना शुरू किया। आस-पास का इलाका धुआं-धुआं हो गया।

8 फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने 2 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है।

धमाकों से गूंजा मोहल्ला, 2 गाड़ियों में पटाखा लाया गया था: मंगलवार की सुबह जब पटाखा दुकान से धुआं उठने लगा और आग की लपटें उठने लगी, जिसके बाद आग की लपटों ने पटाखों को चपेट में ले लिया। देखते ही देखते पटाखे फूटने लगे।

पटाखों की गूंज सुनकर मोहल्ले के लोग दहशत में आ गए और घर से बाहर निकल गए। बताया जा रहा है कि 2 गाड़ियों में पटाखा लाया गया था।

पटाखा गोदाम की कई बार की जा चुकी शिकायत: वहीं स्थानीय लोगों में खासी नाराजगी है। उनका कहना है कि पटाखा गोदाम की प्रशासन को कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन कभी किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। यहां कभी भी किसी भी वक्त बड़ा हादसा हो सकता है।

हमेशा हादसे की बनी रहती है आशंका: दरअसल, पटाखे के भंडारण के लिए सुरक्षा मानकों का पालन कराने कड़े नियम कायदे हैं। रिहायशी क्षेत्र में तो किसी भी सूरत में पटाखे का भंडारण नहीं किया जा सकता है, लेकिन शहर के कई हिस्से में पूरे साल पटाखे बिकते हैं।

इनके गोदाम घर के बीच में है। इससे हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है।

रिहायशी इलाकों में कई दुकानें और गोदाम, जांच के नाम पर सिर्फ खाना पूर्ति: बिलासपुर के खपरगंज से लेकर मध्यनगरी चौक, टेलीपारा के सरजू बगीचा, जूना बिलासपुर, तारबाहर और हेमूनगर के साथ ही चांटीडीह सहित कई मोहल्लों में दुकान और गोदाम हैं।

दशहरा और दिवाली पर्व के नजदीक आते ही पटाखों का भंडारण किया गया है, लेकिन जिम्मेदार अफसर दुकान और गोदामों की जांच ही नहीं करते। केवल खानापूर्ति जारी है, जिसके कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

पटाखा दुकान और गोदाम का लाइसेंस है: जगमल चौक के पास मेनरोड में पटाखा दुकान और गोदाम पिछले लम्बे समय से संचालित है। दुकान संचालक सोनू सतलेचा और संदीप सतलेचा का दावा है कि पटाखा दुकान और गोदाम के लिए बकायदा उनके पास लाइसेंस है।

हैरानी की बात है कि जिला प्रशासन के अफसरों ने नियमों को ताक पर रखकर उसे लाइसेंस कैसे दे दिया।

यह भी कहा जा रहा है कि प्रावधान के अनुसार दुकान के लिए कम आवाज और रोशनी वाले पटाखे का लाइसेंस दिया गया है, लेकिन वहां नियम को ताक पर रख कर गोदाम बना लिया गया।

पटाखे रखने की उचित व्यवस्था नहीं थी: बताया जा रहा है कि गोदाम के अंदर पटाखे रखने की उचित व्यवस्था नहीं थी। अग्निशमन यंत्र भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं थे।

मानकों के अनुसार पटाखे रखने और बनाने का स्थान बस्ती और मुख्य सड़क से दूर होना चाहिए। आस-पास कोई रिहायशी मकान नहीं होना चाहिए।

दुकान और गोदाम के लाइसेंस की जांच की जाएगी: तोरवा टीआई राहुल तिवारी का कहना है कि अभी आग को काबू में कर लिया गया है। दुकान और गोदाम के लाइसेंस की जांच की जाएगी। जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

पोल्ट्री-फॉर्म में 7 साल की मासूम से दुष्कर्म

बाड़ी में युवक ने की हैवानियत, विधायक बोलीं- यहां नाबालिग बच्चे कर रहे काम

मीडिया ऑडीटर, बालोद एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में 7 साल की बच्ची से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। वारदात गुरुर थाना क्षेत्र की है। आरोपी पोल्ट्री फार्म में काम करता है, जो दूसरे जिले का रहने वाला बताया जा रहा है। फिलहाल, आरोपी की तलाश में पुलिस की टीम लगी हुई है।

थाना प्रभारी तूल सिंह पट्टावी ने बताया कि पोल्ट्री फार्म में काम करने वाला युवक 7 साल की मासूम को फॉर्म को ले गया और बाड़ी में रेप की वारदात को अंजाम दिया है। आरोपी युवक गरियाबंद जिले से बालोद फॉर्म में काम करने आया हुआ था।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस: मासूम की उम्र 7 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल युवक की कोई भी जानकारी नहीं है। पुलिस आरोपी युवक को जल्द ही गिरफ्तार करने की बात कह रही है। बालोद एसपी एसआर भगत ने बताया कि आरोपी फॉर्म में काम करता है और मोबाइल नहीं रखता है। आरोपी की तलाश की जा रही है। घटना के बाद विधायक संगीता सिन्हा ने अस्पताल में बच्ची का हाल-चाल जाना। विधायक घटनास्थल भी पहुंची। उन्होंने कहा कि मौके पर नाबालिग बच्चे काम करते हुए दिखाई दिए। वैध दस्तावेज बच्चों के संदर्भ में नहीं मिले।

फॉर्म में काम करते मिले बाल श्रमिक: मैनेजर से बात की तो पता चला कि आधार कार्ड इसके मालिक जो की दुर्ग जिले का निवासी है, उसके पास है। हमने उसके मालिक से बात करके बताया कि आपके फॉर्म में बाल श्रमिक है तो उन्होंने कहा कि उन्हें इस संदर्भ में कोई जानकारी नहीं है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटना यहां पहले भी हो चुकी है। विधायक ने कहा कि इस क्षेत्र की विशेष जांच पुलिस को करनी चाहिए और आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

पात्र आवास मित्रों से 30 सितंबर तक दावा आपत्ति आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिला पंचायत (डीआरडीए) के जानकारी अनुसार मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के विकासखण्डवार आवास मित्र, समर्पित मानव संसाधन के लिए कलस्टर में 01 आवास मित्र, मानव संसाधन का अस्थाई चयन हेतु 12 सितंबर 2024 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे। प्राप्त आवेदनों का चयन समिति द्वारा सूक्ष्म जांच किया गया। जिसमें जनपद पंचायत भरतपुर अन्तर्गत (पात्र-83 अपात्र-100) कुल 183, जनपद पंचायत मनेंद्रगढ़ में (पात्र-147 अपात्र- 90) कुल 237, जनपद पंचायत खडगवां में (पात्र-127 अपात्र- 57) कुल 184, इस प्रकार कुल 604 प्राप्त आवेदनो में पात्र 357 एवं अपात्र 247 हुए है। उक्त आवेदनों का सूची का प्रकाशन जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर की वेबसाईट में अपलोड कराकर 30 सितंबर 2024 दोपहर 02:00 बजे तक दावा-आपत्ति पंजीकृत डाक, स्वयं उपस्थित होकर प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया है।

युवक को चाकू मारने का, आंतें बाहर निकल आईं, हालत गंभीर

छेड़छाड़ को लेकर दो गुटों में मारपीट

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। बिलासपुर में फिर से चाकूबाजी की वारदात हुई। जिले के कोटा स्थित एक होटल के सामने कुछ युवकों के बीच विवाद हुआ था। मारपीट के बीच युवक ने चाकू से दूसरे युवक पर वार कर दिया। युवक की हालत गंभीर है, चाकूबाजी में उसकी आंतें बाहर आ गई हैं।

वारदात रविवार दोपहर को हुई जिसका सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। युवतियों से छेड़छाड़ और गाड़ी की चाबी छीनने को लेकर चाकूबाजी की बात सामने आई है। फिलहाल गंभीर रूप से घायल युवक को सिम्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।

चाबी छीनने से शुरू हुआ विवाद: रविवार की दोपहर दीपांशु साहू(23) दोस्तों के साथ पेंडारी गया था। इसी दौरान उसके दोस्त हर्ष साहू ने उसे कॉल किया। उसने बताया कि कुछ युवकों ने गनियारी के पास उसकी बाइक की चाबी छीन ली है।

इस पर दीपांशु अपने तीन दोस्तों के साथ गनियारी पहुंचा। गनियारी पहुंचने पर दीपांशु को पता चला कि चाबी लूटने वाले कोटा की ओर भाग निकले हैं।

दीपांशु दोस्तों के साथ चाबी छीनने वाले युवकों के पीछे गया। कोटा के मौहारखार स्थित होटल 24 कैरेट के सामने पहुंचते ही चाबी लूटने वालों के साथ दीपांशु, हर्ष और उनके दोस्तों की हाथापाई हो गई।

मारपीट के दौरान दीपांशु को गोदा चाकू: मारपीट के बीच किसी ने दीपांशु को चाकू मार दिया। इसके बाद लहूलुहान युवक को छोड़कर हमलावर वहां से भाग निकले। दोस्तों ने घायल दीपांशु को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी।

पुलिस की टीम तत्काल अस्पताल पहुंच गई। तब तक डॉक्टरों ने घायल को सिम्स रेफर कर दिया था।

वीडियो में कुछ युवतियां भी दिखीं: पुलिस ने घायल दीपांशु के दोस्तों से पूछताछ की है। जांच के दौरान पता चला कि हमलावर युवक अपनी स्कूटी मौके पर ही छोड़कर भाग निकले।

पुलिस ने स्कूटी जब्त कर ली है। इसके आधार पर हमलावर युवकों की पहचान कर 3 आरोपियों को हिरासत में भी लिया गया है।

वीडियो में कुछ युवतियां भी दिखाई दे रही हैं। फिलहाल पुलिस जांच-पड़ताल के बाद विवाद की वजह समेत बाकी खुलासा करने की बात कह रही है।

बिलासपुर में लगातार बढ़ रही चाकूबाजी की वारदात: एक महीने पहले बिलासपुर में नाबालिग समेत 3 बदमाशों ने अपने दोस्त को चाकू से मार डाला। घायल के पास पुलिस समय रहते पहुंच गई थी, लेकिन उसे अस्पताल लेकर नहीं गई। पुलिस की लापरवाही से घायल को इलाज नहीं मिला और उसकी मौत हो गई। मामला सिरगिट्‌टी थाना क्षेत्र का है।

बिलासपुर में 4 सितंबर को दिनदहाड़े चाकू से हमला कर एक युवक की हत्या कर दी गई। पुरानी रंजिश के चलते वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है।

जून महीने में एक बदमाश युवक ने अपने दोस्त पर चाकू से हमला कर दिया था। वहीं, दूसरी घटना में पाइप चोरी करने से रोकने पर बदमाशों ने पिता-पुत्र पर चाकू से वार कर दिया।

तेज रफ्तार वाहन ने युवक को कुचला

जांघ के ऊपर से निकला पहिया, दर्द से तड़पते हुए सड़क पर तोड़ा दम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर में एक तेज रफ्तार वाहन ने युवक को कुचल दिया है। इस हादसे में युवक की सड़क पर ही दर्द में तड़पते हुए मौत हो गई है। पुलिस के मुताबिक, युवक के शरीर के ऊपर से गाड़ी का चक्का गुजरा था। फिलहाल पुलिस इस मामले में आगे की जांच पड़ताल कर रही है। घटना तिल्दा नेवरा थाना क्षेत्र की है।

तिल्दा थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, मृतक नीलकांत यादव, बुधेला गांव का रहने वाला था। वह फिलहाल तुलसी नेवरा में रह रहा था। नीलकांत नाकोड़ा प्लांट में काम करता था। बताया जा रहा है कि वह ड्यूटी से घर लौट रहा था। आशंका है कि तिल्दा खरोरा मेन रोड पर कोनारी के आगे वह बाइक से उतरा था। तभी तेज रफ्तार वाहन ने उसे टक्कर मार दी।

शरीर का निचला हिस्सा बुरी तरह कुचला: इस एक्सीडेंट में नीलकांत के शरीर का निचला हिस्सा बुरी तरह कुचला गया है। उसके जांघ के ऊपर से वाहन का चक्का गुजर गया है। जिससे शरीर का अंदरूनी अंग बाहर आ गए हैं। सुबह जब सड़क पर किसी ने लाश पड़ी हुई देखी तो पुलिस को सूचना दी गई। फिलहाल पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर अज्ञात वाहन चालक की तलाश में जुट गई है।

नाले में मिली बुजुर्ग दंपति की लाश

घर से घटनास्थल की दूरी महज 100 मीटर, हत्या या हादसा जांच में जुटी पुलिस

मीडिया ऑडीटर, मुंगेली एजेंसी। मुंगेली जिले के लोरमी इलाके में बुजुर्ग दंपति की लाश संदिग्ध अवस्था में नाले में मिली है।पूरा मामला लोरमी के खुड़िया चौकी का है। यहां के अचानकमार टाइगर रिजर्व के सुदूर वनांचल में स्थित बिसौनी वन ग्राम में अधेड़ पति-पत्नी का शव नाले में मिला। जिस जगह पर दोनों का शव मिला है, वहां महज घुटने तक ही पानी भरा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक सुबह 10 बजे वन ग्राम बिसौनी के ग्रामीणों ने देखा कि गांव में रहने वाले 65 वर्षीय बुधराम बैगा और पत्नी 65 वर्षीय बिरसिया बैगा की लाश बांस नाले में पड़ी हुई है।

बेटे ने दी पुलिस को सूचना: इसकी सूचना ग्रामीणों ने मृतक के परिजनों को दी। इसके बाद मृतक के बेटे भरत बैगा ने खुड़िया चौकी पहुंच कर पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर तत्काल खुड़िया चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान पुलिस ने शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जिस नाले में दोनों की लाश मिली है। वो उनके घर से महज 100 मीटर की दूरी पर स्थित है।

रविवार शाम को दिखे थे आखिरी बार: ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि रविवार की शाम को मृतक दंपति को आखिरी बार गांव में एक साथ देखा गया था। सुबह इस तरह संदिग्ध अवस्था में लाश के मिलने से सनसनी फैल गई है।

मृतक दंपति के 2 बेटे और 2 बेटियां: पुलिस ने बताया कि मृतक दंपति के दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। बेटियों की शादी हो चुकी है जबकि दोनों बेटे गांव में ही माता-पिता से अलग घर के पास ही रहते हैं। ये बुजुर्ग दंपति अकेले ही रहते थे। बच्चों और ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि मृतक पति पत्नी का किसी के साथ कोई विवाद भी नहीं था। ऐसे में संदिग्ध अवस्था में मौत कई सवाल भी खड़े कर रही है।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाते हैं: विशेष संरक्षित जनजाति बैगा आदिवासियों को राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र भी माना जाता है। वहीं राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र माने जाने वाले बैगा आदिवासी दंपत्ति की इस तरह से संदिग्ध मौत से कई सवाल भी खड़े हो रहे हैं। पोस्टमॉर्टम के बाद ही ये साफ हो पाएगा कि बुजुर्ग बैगा दंपति की ये मौत कोई हादसा है या फिर किसी ने इनकी हत्या की है।

मुश्किल में घटनास्थल से निकल पाई पुलिस: जिस जगह पर लाश मिली है वहां से वापिस निकलने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करना पड़ा।दरअसल जिस गांव में घटना हुई है वो सुदूर वनांचल का इलाका है। जहां आने जाने के लिए कच्ची सड़क ही एकमात्र सहारा है। लोरमी एसडीओपी माधुरी धीरही सुबह से पुलिस स्टाफ के साथ घटनास्थल पहुंच गई थी। जिसके बाद इलाके में तेज बारिश शुरू हो गई। लिहाजा जिले के एसपी भोजराम पटेल भारी बारिश की वजह से घटनास्थल तक नहीं पहुंच सके। वहीं एसडीओपी अपनी टीम के साथ शव को किसी तरह बड़ी मुश्किल से घटनास्थल से पोस्टमॉर्टम के लिए लेकर निकल सकी।

भरतपुर में लगाया गया वृद्धजनों हेतु नि:शुल्क जाँच स्वास्थ्य शिविर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। भरतपुर विकासखण्ड के स्वास्थ्य संस्थाओं मे सोमवार को राष्ट्रीय सेवा पखवाड़ा अंतर्गत वृद्धजन हेतु नि:शुल्क जाँच शिविर का आयोजन किया गया। जिसका शुभारम्भ नगर पंचायत अध्यक्ष अशोक सिंह मुख्य अतिथि तथा श्री पवन शुक्ला, मंडल अध्यक्ष भरतपुर के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। उक्त शिविर में लगभग 109 वृद्ध महिला तथा 172 वृद्ध पुरुष उपस्थित होकर स्वास्थ्य लाभ लिया। डॉ. रमन, खण्ड चिकित्सा अधिकारी अवगत कराया कि कैंप में वृद्धजनों को नि:शुल्क, दवा एवं खून जाँच किया गया। उक्त कैम्प के सफल आयोजन हेतु संयुक्त रूप से स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन, पंचायत विभाग एवं कोटवार सक्रिय रहे। जिनके द्वारा स्वास्थ्य शिविर का व्यापक प्रचार प्रसार किया गया।

स्वास्थ्य मंत्री ने किया महर्षि चरक सदन का लोकार्पण

इलाज के लिए आने वाले लोगों को मिलेगी रुकने की व्यवस्था

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज अपने रायपुर स्थित निवास कार्यालय में महर्षि चरक सदन का लोकार्पण किया। 30 बिस्तरों का ये सदन लोगों के रुकने और रायपुर में इलाज कराने के लिए तैयार किया गया है। इससे पहले भी स्वास्थ्य मंत्री ने लोगों की सुविधा के लिए हसदेव सदन तैयार करवाया है। हसदेव सदन में 15 लोगों के ठहरने की सुविधा उपलब्ध है।

इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने कहा की मनेंद्रगढ़ और चिरमिरी जैसे दूर दराज क्षेत्रों से इलाज कराने वाले लोगों को रायपुर में रुक कर इलाज कराना काफी मुश्किल काम है।

ऐसे में 15 और 30 बिस्तरों वाले ये दोनों सदन बीमार लोगों और उनके परिजनों को राहत प्रदान करेंगे। कई मरीज ऐसे होते हैं जिन्हें कुछ दिनों के अंतराल में ही चेकअप के लिए आना पड़ता है, लिहाजा रुकने की व्यवस्था होने से उन्हें बार-बार आना-जाना नहीं करना पड़ेगा।

ज्वेलरी संचालक से डेढ़ लाख की ठगी

नकली हार देकर असली सोने के गहने ले गए ठग, ज्वेलर्स ने दर्ज कराई एफआईआर

मीडिया ऑडीटर, सरगुजा एजेंसी। छत्तीसगढ़ के सरगुजा में ज्वेलरी संचालक से धोखाधड़ी की गई है। शॉप में खरीदार बनकर पहुंचे महिला और पुरुष ने नकली सोने का हार देकर सोने की अंगूठी और चेन ले लिया। साथ ही 20 हजार 500 रुपए कैश भी ले लिए। शातिर ठग सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। मामला कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के अनुसार सदर रोड में स्टेट बैंक के सामने मां ज्वेलर्स संचालित है। 18 सितंबर को शाम करीब 5.30 बजे एक महिला और पुरुष दुकान में आए। महिला ने अपना नाम गीता देवी और युवक ने अपना नाम धर्मेंद्र यादव बताया। दोनों ने स्वयं को भटगांव बस स्टैंड के पास का निवासी बताया।

व्यापारी से डेढ़ लाख की ठगी की: अरुण सोनी ने हार रिटर्न में ले लिया। ठगों ने जो हार दिया था, उसकी रिटर्न की कीमत करीब 1.55 लाख रुपए थी। उनके द्वारा पसंद की गई ज्वेलरी की कीमत 1 लाख 32 हजार 700 रुपए थी। रिटर्न की राशि ज्यादा होने पर उन्होंने शेष राशि कैश में मांगी। अरुण सोनी ने उन्हें 20 हजार पांच 500 रुपए कैश दे दिया। दोनों ने ज्वेलरी का बिल लिया और चले गए।

हार में मात्र 15 प्रतिशत सोना निकला: अरुण सोनी ने दो दिनों बाद जब एक्सचेंज में मिले सोने के हार की जांच कराई तो वह नकली निकला। हार में मात्र 15 प्रतिशत सोना निकला। अरूण सोनी ने मामले की शिकायत कोतवाली अंबिकापुर थाने में दर्ज कराई है। कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 3(5), 318(4), 319(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है। दुकान में लगे सीसी कैमरों में दोनों आरोपी कैद हो गए हैं, जिसके आधार पर पुलिस दोनों की पहचान की कोशिश में जुटी है।

पहले भी हो चुकी है ठगी: जून माह में इसी तर्ज पर सदर रोड स्थित जगदंबा आभूषण भंडार में नकली सोने का हार थमाकर जालसाजों ने लगभग डेढ़ लाख रुपए का असली सोने का चेन लिया और फरार हो गए थे। सुनियोजित तरीके से आरोपियों ने नकली हार में हॉलमार्क भी लगवाया था, इसलिए दुकान संचालक को संदेह नहीं हुआ। दुकान संचालक ने बाद में सोने की शुद्धता की जांच पर वह नकली निकला। मामले में पुलिस ने झारखंड से आरोपियों को गिरफ्तार किया था। ठग कार से ठगी को अंजाम देने यहां आए थे। सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई थी।

पात्र लोक सेवा ऑपरेटरों की काउंसिलिंग 27 सितंबर को

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कार्यालय कलेक्टर जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के माध्यम से लोक सेवा ऑपरेटर पद की भर्ती हेतु पात्र अभ्यर्थियों का कम्प्यूटर योग्यता परीक्षा, हेतु प्रकाशन किया गया था। उक्त सूचना पत्रानुसार 13 सितंबर 2024 को समय दोपहर 12:00 बजे परीक्षा स्थल शासकीय कन्या उच्चत्तर माध्यमिक शाला शिक्षा विभाग मनेन्द्रगढ़ में कम्प्यूटर गोग्यता परीक्षा का आयोजन किया गया था। उक्त परीक्षा में कुल 148 पात्र अभ्यर्थियो में से कुल 48 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। परीक्षा में सम्मिलित अभ्यर्थियों को कंप्यूटर योग्यता में प्राप्त अंकों के आधार पर को वरियतावार सूची जिले के वेबसाईट एवं कार्यालय कलेक्ट्रेट के सूचना पटल पर प्रदर्शित किया जा रहा है। अतएव अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि लोक सेवा ऑपरेटर पदों की भर्ती विज्ञापन में दर्शित कुल 10 कार्यालयों में कुल 16 पदों हेतु अभ्यर्थियों द्वारा 01 से अधिक कार्यालयों के लिए आवेदन किये गए है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- सेक्स एजुकेशन वेस्टर्न कॉन्सेप्ट नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार, 24 सितंबर को कहा कि सेक्स एजुकेशन को वेस्टर्न कॉन्सेप्ट मानना गलत है। इससे युवाओं में अनैतिकता नहीं बढ़ती। इसलिए, भारत में इसकी शिक्षा बेहद जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि लोगों का मानना है कि सेक्स एजुकेशन भारतीय मूल्यों के खिलाफ है। इसी वजह से कई राज्यों में यौन शिक्षा को बैन कर दिया गया है। इसी विरोध की वजह से युवाओं को सटीक जानकारी नहीं मिलती। फिर वे इंटरनेट का सहारा लेते हैं, जहां अक्सर भ्रामक जानकारी मिलती है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट के एक फैसले को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। कोर्ट ने सोमवार को कहा कि चाइल्ड पोर्नोग्राफी डाउनलोड करना और देखना पीओसीएसओ और आईटी एक्ट के तहत अपराध है। दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने कहा था कि अगर कोई ऐसा कंटेंट डाउनलोड करता और देखता है, तो यह अपराध नहीं, जब तक कि इसे प्रसारित करने की नीयत न हो।

दिल्ली में किराएदार के बाथरूम-बेडरूम में लगाए कैमरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शकरपुर इलाके में 30 साल के युवक को महिला किराएदार की जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। युवक ने युवती के बाथरूम और बेडरूम में स्पाई कैमरे लगाए थे। पुलिस के मुताबिक, युवती उत्तर प्रदेश की है और दिल्ली में अकेली रहकर सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी कर रही है। आरोपी करण मकान मालिक का लड़का है, जो उसी बिल्डिंग की दूसरे फ्लोर पर रहता है। पुलिस के मुताबिक, पिछले कुछ दिनों से पीड़ित को अपने वॉट्सऐप पर संदिग्ध गतिविधियां नजर आ रही थीं। उसने एक्सपर्ट से पता किया तो वॉट्सऐप अकाउंट किसी और के द्वारा लॉगिन करने का पता चला। पीड़ित ने अपना वॉट्सऐप लॉग आउट किया। शक होने पर अपने फ्लैट की तलाशी ली तो उसे अपने बाथरूम के बल्ब होल्डर में स्पाई कैमरा दिखा। पीड़िता ने फौरन पीसीआर को फोन कर घटना की जानकारी दी। बल्ब के होल्डर में कैमरे मिले पुलिस अधिकारी अपूर्व गुप्ता के मुताबिक, शिकायत मिलने के बाद युवती के कमरे पर एक पुलिस अधिकारी को भेजा गया। बाथरूम के अलावा बेडरूम की तलाशी ली गई तो बल्ब होल्डर के अंदर स्पाई कैमरा मिला। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि जब भी वह अपने घर जाया करती थी तो मकान मालिक के बेटे करण को अपने फ्लोर की चाबी दे दिया करती थी।

भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता-मुख्यमंत्री

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्र रक्षा के लिए शहीद हुए सैनिकों के आश्रितों को शासन द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता निश्चित समय में प्रदान की जाएगी। सेना द्वारा गठित बोर्ड से सैनिकों के युद्ध या युद्ध के लिए जाते हुए और अन्य कारणों से हादसों में शहादत पर स्वीकृत प्रकरणों में प्रत्येक शहीद सैनिक के परिवार को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा एक करोड़ रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भूतपूर्व सैनिकों का कल्याण, उनके परिवार के हितों का संरक्षण एवं संवर्धन राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की स्थापना दिवस एक नवम्बर पर सेना द्वारा विशेष शो नो अवर आर्मी आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही राजधानी भोपाल में वायुसेना

द्वारा एयर-शो के लिए भी तिथि निर्धारित करने के निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री एवं राज्य सैनिक बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. मोहन यादव ने आज मंत्रालय में राज्य सैनिक बोर्ड की 20वीं बैठक ली। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री एस.एन. मिश्रा, मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ल सहित सामान्य प्रशासन और वित्त विभाग के अधिकारी, मध्य भारत क्षेत्र के जी.ओ.सी. लेफ्टिनेंट जनरल जबलपुर श्री पी.एस. शेखावत, ब्रिगेडियर एस.एन तिवारी प्रतिनिधि कमांडिंग इन चीफ मध्य कमान लखनऊ, पदेन सचिव राज्य सैनिक बोर्ड ब्रिगेडियर (से.नि.) अरूण नायर सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

बदलापुर रेप केस- आरोपी के एनकाउंटर की जांच करेगी सीबीआई

मुंबई (एजेंसी)। बदलापुर दुष्कर्म केस में आरोपी के एनकाउंटर की जांच सीबीआई करेगी। महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया। ठाणे क्राइम ब्रांच ने आरोपी अक्षय शिंदे का 23 सितंबर को शाम करीब 6:15 बजे एनकाउंटर किया था, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। जानकारी के मुताबिक ठाणे क्राइम ब्रांच अक्षय को तलोजा जेल से बदलापुर लेकर गई थी।

सरकार ने कहा था कि अक्षय ने पुलिस की रिवॉल्वर छीनकर फायर किए थे, सेल्फ डिफेंस में पुलिस ने गोली चलाई और अक्षय मारा गया। इस घटना के बाद अक्षय के परिवार ने आरोप लगाया कि उसे कस्टडी में जमकर पीटा गया था। मामले को दबाने के लिए एनकाउंटर कर दिया गया। उसका शव भी नहीं देखने दिया। इधर विपक्ष ने सवाल किया- अक्षय हथकड़ी में था, वो फायरिंग कैसे कर सकता है। एनकाउंटर में मारे गए आरोपी की मां बोलीं- शव नहीं लेंगे आरोपी शिंदे की मां ने कहा है कि हम अस्पताल में घंटों इंतजार करते रहे। लेकिन पुलिसवालों ने हमें अक्षय का शव भी देखने नहीं दिया।

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया पर जमीन घोटाले का केस चलेगा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में केस चलेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने मंगलवार को कहा- %याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी। सीएम ने 19 अगस्त को इसे

हाईकोर्ट में चुनौती दी। मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी, साले और कुछ अधिकारियों के खिलाफ शिकायत की गई है। एक्टिविस्ट टी. जे. अब्राहम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा का आरोप है कि एमपी ने एमयूडीएम अधिकारियों के साथ मिलकर महंगी साइट्स को धोखाधड़ी से हासिल किया। सिद्धारमैया की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी और प्रो. रविवर्मा कुमार पेश हुए। राज्यपाल की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पैरवी की। राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता शशि किरण शेट्टी ने अपनी दलीलें रखीं। मनिंदर सिंह, प्रभुलिंग के. नवदगी, लक्ष्मी अयंगर, रंगनाथ रेड्डी, के.जी. राघवन सहित अन्य ने शिकायतकर्ताओं की ओर से दलीलें पेश कीं।

अब सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद पर विवाद

मुंबई। तिरुमला के बाद अब मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर के प्रसाद पर सवाल उठ रहे हैं। एक वीडियो वायरल होने के बाद दावा किया गया है कि मंदिर के प्रसाद में चूहे के बच्चे मिले हैं। वीडियो में प्रसाद रखने वाला कैरेट दिखाई दे रहा है, जिसे कुतरा गया है। कैरेट के एक कोने में चूहे के बच्चे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष सदा सर्वणकर ने प्रसाद की शुद्धता को लेकर जवाब दिया है। ट्रस्ट ने कहा कि वीडियो में दिखाई जगह मंदिर का हिस्सा ही नहीं। हमारी इमेज खराब करने की कोशिश है। मंदिर ट्रस्ट प्रेस कॉन्फ्रेंस में वायरल वीडियो पर जवाब दिया और कहा कि वीडियो सिद्धिविनायक मंदिर का नहीं है। मंदिर ट्रस्ट बोला- गंदगी की संभावना ही नहीं सरवणकर ने कहा, ऐसी अस्वच्छ स्थितियों की कोई संभावना नहीं है। जब तिरुपति मंदिर का प्रसादम विवाद शुरू हुआ है, तब हमारे परिसर का भी निरीक्षण किया गया। वहां सभी सुरक्षा और स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। हम प्रसाद अनुभाग में स्वच्छता का सबसे ज्यादा ध्यान रखते हैं। अधिकारी ने बताया कि मंदिर प्रसाद के लिए हाई क्वालिटी मटेरियल का इस्तेमाल करता है, जिसमें प्रीमियम घी भी शामिल है। पानी से लेकर कच्चे माल तक हर चीज लैब में टेस्ट की जाती है। 3 सरकारी अधिकारी सख्त मानकों को बनाए रखने के लिए निगरानी करते हैं। रोजाना

यूपी में दो ट्रेनों पर पथराव

प्रयागराज/ मिर्जापुर (एजेंसी)। यूपी में सोमवार रात 2 ट्रेनों पर पथराव हुआ। प्रयागराज में आनंद विहार से बरौनी (बिहार) जा रही सीमांचल एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। इसमें एक यात्री घायल हो गया। दूसरी घटना मिर्जापुर में महाबोधि एक्सप्रेस की है। यहां भी ट्रेन पर पत्थर फेंके गए। सीमांचल एक्सप्रेस सोमवार शाम 5.30 बजे प्रयागराज जंक्शन से रवाना हुई। शाम 5.40 बजे यमुना ब्रिज से पहले उस पर पथराव शुरू हो गया। ट्रेन पर 10 से ज्यादा पत्थर फेंके गए। घटना में गेट पर बैठे सुजीत कुमार को पत्थर लग गया। उसका दांत टूट गया और होंठ कट गए। मिर्जापुर पहुंचने पर उसका इलाज किया गया। सुजीत उसी ट्रेन से आगे की यात्रा के लिए रवाना हो गया। प्रयागराज आरपीएफ प्रभारी दिनेश कुमार ने बताया- घायल सुजीत बिहार के बेगूसराय का रहने वाला है। घटना के समय वह स्लीपर कोच स-3 के गेट पर बैठा था। इलाज कराकर उसे रवाना कर दिया गया है।

घायल सुजीत के भाई ने बताया- हम लोग परिवार समेत दिल्ली से बरौनी जा रहे थे। हमारे पास 3 कंफर्म और 5 वेटिंग टिकट था। यमुना ब्रिज पर जैसी ही ट्रेन पहुंची, 2-3 युवकों ने हमें पत्थर फेंक कर मारे। गेट पर बैठे मेरे चाचा के लड़के सुजीत के होंठ पर एक पत्थर आकर लगा। उसका एक दांत टूट गया और होंठ पर भी गहरा घाव हो गया। हमारे बड़े पापा का देहांत हो गया, इसलिए हम लोग बरौनी लौट रहे थे।

तिरुपति के लड्डू में तंबाकू मिलने का दावा

तिरुपति (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के लड्डू में जानवरों की चर्बी मिलाए जाने के आरोपों के बीच अब तंबाकू मिलने का दावा किया गया है। तेलंगाना की एक महिला ने आरोप लगाया है कि उसे लड्डू के अंदर कागज में लिपटे तंबाकू के टुकड़े मिले हैं। उसने इसका वीडियो भी जारी किया है। आरोप लगाने वाली डोंथु पद्मावती खम्मम जिले के गोल्लागुडेम की रहने वाली हैं। वे 19 सितंबर को तिरुमाला मंदिर गई थीं। वहां से लाए गए लड्डू प्रसादम में कागज और उसमें लिपटे तंबाकू का वीडियो दिखाया। इसे कुछ न्यूज चैनलों समेत कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स से शेयर किया गया है। हालांकि इससे पहले आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने 18 सितंबर को आरोप लगाया था कि राज्य में कांग्रेस सरकार में तिरुपति मंदिर के लड्डू (प्रसादम) में जानवरों की चर्बी वाला वनस्पति तेल और फिश ऑयल मिलाया गया था। इसके अगले दिन टीडीपी ने एक लैब रिपोर्ट दिखाकर अपने आरोपों की पुष्टि होने का दावा किया था।

एमपी में ट्रक ने ऑटो को रौंदा, 7 की मौत

दमोह (एजेंसी)। दमोह में एक ट्रक ने आगे चल रहे ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं, जिन्हें जबलपुर रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि ऑटो में 10 लोग सवार थे। हादसा देहात थाना क्षेत्र के समन्ना गांव के आगे बांदकपुर रोड पर हुआ। दमोह कलेक्टर सुधीर कोचर, एसपी श्रुतकीर्ति सोमवंशी प्रशासनिक अमले के साथ मौके पर पहुंचे। ट्रक में फंसे ऑटो से शव और घायलों को निकालने के लिए जेसीबी मंगानी पड़ी। 7 मृतकों में 5 एक ही परिवार के हैं। ऑटो ड्राइवर की भी मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को पकड़ लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। छतरपुर के बक्सवाहा का रहने वाला ड्राइवर नीरज सिंह लोधी (22) शराब के नशे में है। पुलिस मेडिकल जांच के लिए उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंची है। वह इतने नशे में है कि कुछ भी बोलने की हालत में नहीं है। उसे तो ये भी होश नहीं कि क्या हुआ है।

हरियाणा चुनाव में कंगना रनोट ने बढ़ाई भाजपा की टेंशन?

हरियाणा (एजेंसी)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव के बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस व हिमाचल से सांसद कंगना रनोट ने भाजपा की टेंशन बढ़ा दी है। उन्होंने 3 कृषि कानूनों को दोबारा लागू करने की मांग की है। कंगना ने कहा कि कानून वापस लाने चाहिए। ये कंट्रोवर्शियल हो सकता है। ये वही कानून हैं, जिन्हें केंद्र सरकार को 14 महीने के बाद किसान आंदोलन के चलते वापस लेना पड़ा था। इस बयान के बाद विपक्ष ने उनकी घेराबंदी शुरू कर दी है। पंजाब से अकाली दल के प्रवक्ता अर्शदीप सिंह कलेर का कहना है कि भाजपा को कंगना को पार्टी से निकाला जाना चाहिए। कंगना पर नेशनल सिक्योरिटी एक्ट लगाया जाना चाहिए। वहीं भाजपा के सीनियर नेता हरजीत ग्रेवाल ने कहा कि कंगना पंजाब, किसान और सिखों के बारे में बोलना बंद कर दें। उन्होंने कहा कि इस मामले को वह हाईकमान के सामने रखेंगे। हरियाणा कांग्रेस ने सोशल मीडिया (X) पर पोस्ट डालकर लिखा- कांग्रेस किसानों के साथ है। इन काले कानून की वापसी अब कभी नहीं होगी।

वोटिंग से पहले हरियाणा कांग्रेस में सीएम कुर्सी की लड़ाई

कैथल (एजेंसी)। हरियाणा कांग्रेस में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा और कुमारी सैलजा के बाद रणदीप सुरजेवाला ने मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोक दिया है। उन्होंने कहा में, कुमारी सैलजा और चौधरी भूपेंद्र सिंह हुड्डा सीएम बनना चाहते हैं। हम तीन लोगों के अलावा किसी और साथी का भी यह अधिकार है, यहां प्रजातंत्र है। उन्होंने कहा कि आखिर में यह निर्णय राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करते हैं। जो निर्णय वह करेंगे, वह हम सबको स्वीकार होगा। उन्होंने ये बात मंगलवार को बेटे एवं कैथल में कांग्रेस प्रत्याशी आदित्य सुरजेवाला के बयान पर कही है। आदित्य ने कहा था कि उनकी इच्छा है कि पिता कांग्रेस सरकार बनने पर सीएम बनें। इस दौरान केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के कुमारी सैलजा को ऑफर देने पर उन्होंने कहा कि इन बातों में कोई वजन नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री का मैं आदर करता हूं। वह पिता समान हैं।

वह बचकाना बातें कर रहे हैं। कुमारी सैलजा कांग्रेसी थी, हैं और रहेंगी। सुरजेवाला ने कहा कि मनोहर लाल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कुरुक्षेत्र की रैली तक में लेकर नहीं गए।

रेसलर योगेश्वर दत्त बोले- विनेश देश से माफी मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व रेसलर योगेश्वर दत्त ने कहा है कि विनेश फोगाट को देश से माफी मांगनी चाहिए, क्योंकि उनके कारण पेरिस ओलिंपिक में भारत को एक मेडल का नुकसान हुआ है। 41 साल के दत्त ने एक शो में कहा- अगर मैं विनेश की जगह होता, तो देश से माफी मांगता कि मैं अपना वेट कम नहीं कर सका, लेकिन उनका स्वागत हो रहा है। ऐसा कहा जा रहा है कि विनेश के साथ गलत हुआ। विनेश पेरिस ओलिंपिक में ओवरवेट होने के कारण अयोग्य घोषित हो गई थीं। उन्हें फाइनल में पहुंचने के बावजूद मेडल गंवाना पड़ा था। विनेश हरियाणा में होने वाले चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं, जबकि दत्त भाजपा से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। इस बार उन्हें टिकट नहीं मिला है। उन्होंने लंदन ओलिंपिक में ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। राजनीति में जाना व्यक्तिगत फैसला योगेश्वर ने कहा कि राजनीति में जाना व्यक्तिगत फैसला है, लेकिन देश को सच पता लगना चाहिए। जो पिछले एक साल में हुआ, चाहे ओलिंपिक में डिसक्वालिफाई होना हो या पहलवानों का जंतर-मंतर पर आंदोलन, इससे देश की गलत छवि बनाई गई और पूरी दुनिया में उसका गलत तरीके से प्रचार किया गया।

जम्मू-कश्मीर में सेकेंड फेज की 26 सीटों पर आज वोटिंग

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में कल बुधवार (25 सितंबर) को 6 जिलों की 26 विधानसभा सीटों पर वोटिंग होगी। इसमें 25.78 लाख मतदाता वोट डाल सकेंगे। सेकेंड फेज की 26 सीटों में से 15 सीटें सेंट्रल कश्मीर और 11 सीटें जम्मू की हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक, दूसरे फेज में 239 कैंडिडेट्स मैदान में हैं। इनमें 233 पुरुष और 6 महिलाएं हैं। दूसरे फेज में 131 कैंडिडेट्स करोड़पति और 49 पर क्रिमिनल केस दर्ज हैं। जम्मू-कश्मीर भाजपा अध्यक्ष रविंदर रैना ने

अपनी संपत्ति केवल 1,000 रुपए घोषित की है।

पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला गांदरबल और बीरवाह से चुनाव लड़ रहे हैं। उमर लोकसभा चुनाव में बारामुला सीट तिहाड़ जेल से चुनाव लड़े इंजीनियर राशिद से हार गए थे। इस बार भी गांदरबल सीट पर उनके खिलाफ जेल में बंद सरजन अहमद वागे उर्फ आजादी चाचा मैदान में हैं। 18 सितंबर को पहले फेज में 7 जिलों की 24 विधानसभा सीटों के लिए वोटिंग हुई। इस दौरान 61.38% मतदान हुआ। किश्तवाड़ में सबसे ज्यादा 80.20% और पुलवामा में सबसे कम 46.99% वोटिंग हुई। श्रीनगर की सबसे ज्यादा 8 सीटों पर वोटिंग, सभी सीटों पर कैंडिडेट्स उतारे दूसरे फेज में सबसे ज्यादा 8 श्रीनगर में और सबसे कम 2 सीटें गांदरबल जिले की हैं। इनके अलावा बडगाम और राजौरी की 5-5, रियासी और पुंछ की 3-3 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

शाकिब का दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध

चेन्नई (एजेंसी)। बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का भारत के खिलाफ 27 सितंबर से कानपुर मे होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि शाकिब की अंगुली में लगी चोट अभी तक ठीक नहीं हुई है। शाकिब के फिट नहीं होने से बांग्लादेश के खेम में चिंन्ता की लहर है। इसका कारण है कि शाकिब एक अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चयनकर्ता हनन सरकार ने कहा कि वह डॉक्टर की निगरानी में हैं और कानपुर में उनके खेलने को लेकर फैसला बाद में उनकी फिटनेस की समीक्षा के बाद होगा। चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान बल्लेबाजी करते समय शाकिब को जसप्रीत बुमराह की गेंद लग लगी थी।

हनन ने कहा अभी हमारे पास दो दिनों का समय है। इसमें देखते हैं क्या होता है। उनके चयन को लेकर हम विचार करने और फिटनेस देखने के बाद भी फैसला करेंगे ।हम जानते हैं कि उनके हाथ की चोट को लेकर चर्चा हो रही है. मैच से पहले ऐसा नहीं था। फिजियो ने उन्हें पहले टेस्ट मैच में उतरने के लिए सौ फीसदी फिट घोषित किया था।' पहले टेस्ट मैच में शाकिब को गेंदबाजी देर से देने पर भी सवाल उठे थे। तब ये भी कहा जा रहा था कि शाकिब की स्पिनिंग उंगली और कंधे में दर्द था।

इंग्लैंड की महिला कप्तान हीथर नाइट 12 साल पहले की फोटो के कारण हुई शर्मसार, लाखों के जुर्माने के साथ मांगनी पड़ी माफी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंग्लैंड की महिला टीम की कप्तान हीथर नाइट को 12 साल पहले की गई एक गलती अब भारी पड़ गई है। उस गलती के कारण उन्हें 2024 में फजीहत झेलनी पड़ी है। दरअसल, उनको उस गलती के लिए ना सिर्फ फटकार मिली है, बल्कि 1000 यूरो का जुर्माना भी लगा है। बता दें कि, हीथर नाइट की एक पुरानी फोटो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है। जिसमें उनका फेस ब्लैक है, ये फोटो 2012 की है, जिस पर अब एक्शन लिया गया है टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले हीथर नाइट को माफी मांगनी पड़ी है।

अगले महीने यूएई में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले हीथर नाइट ने कहा कि उन्हें अपने आचरण के लिए सचमुख खेद है। जिसे क्रिकेट अनुशासन आयोग के निर्णायक टिम ओ गोरमैन ने नस्लवादी और भेदभावपूर्ण माना था। हालांकि, ओ गोरमैन ने स्वीकार किया कि नाइट के ऐसा करने के पीछे कोई नस्लवादी या भेदभावपूर्ण इरादा नहीं था। जब उन्होंने ब्लैकपेस (अश्वेत लोगों के प्रति भेदभाव का आचरण) किया था, तो वह 21 वर्ष की थी। नाइट की ये तस्वीर 2012 में केंट में एक क्रिकेट क्लब में स्पोर्ट्स थीम वाली फैंसी ड्रेस पार्टी में ली गई थी। वहीं मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, नाइट ने एक बयान में कहा कि, मैंने 2012 में जो गलती की थी, उसके लिए मैं सचमुच माफी चाहती हूं।

ये गलत था और मुझे लंबे समय से इसका पछतावा है। उस समय, मैं अपने कार्यों के निहितार्थ और परिणामों के बारे में उतनी शिक्षित नहीं थी, जितनी कि अब हो गई हूं। मेरा कोई गलत इरादा नहीं था। मैं अतीत को नहीं बदल सकती, लेकिन मैं अब खेल में समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए अपने सोशल मीडिया हैंडल्स का इस्तेमाल करने के लिए भावुक और प्रतिबद्ध हूं। मुझे ये सुनिश्चित करना है कि हम प्रतिनिधित्व वाले समूहों को खेल में समान अवसर मिले।

शुभमन से अच्छी दोस्ती से बड़ी साझेदारी बनाने में सहायता मिली-ऋषभ

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबा बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कहा है कि उनकी शुभमन गिल के साथ अच्छी दोस्ती है। इससे बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच की दूसरी पारी में शुभमन के साथ अच्छी साझेदारी बनाने में सहायता मिली। ये दोनो ही बल्लेबाज पहली पारी में अधिक रन नहीं बना पाये थे पर दूसरी पारी में उन्होंने 167 रन की साझेदारी बनाकर मैच बदल दिया।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसी को लेकर सोशल मीडिया पर एक वीडियो भी साझा किया है। इसमें ऋषभ ने कहा कि जब मैदान के बाहर आपके बीच बहुत अच्छे संबंध होते हैं तो फिर उस खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करते हुए तालमेल बनाने में सहायता मिलती है। हम एक दूसरे के खेल का आनंद ले रहे थे, आपस में खूब बातें कर रहे थे और मैच पर भी बात कर रहे थे और बेहद सहज थे। इसके अलावा हम दोनों यह जानते थे कि हमें क्या करना है। दिसंबर 2022 में सड़क हादसे के बाद अपना पहला टेस्ट मैच खेलने वाले ऋषभ ने कहा कि आप जहां भी खेल रहे हों, आपके खेल में सुधार होना चाहिए, ये मेरा मानना है, इसलिए मैं टीम की सहायता करने की कोशिश कर रहा था और यह शानदार रहा। मैंने इसका पूरा आनंद उठाया। ऋषभ ने 128 गेंद पर 109 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान उन्होंने अपने रक्षात्मक और आक्रामक खेल का शानदार नमूना पेश किया।

भारतीय टेनिस में आया भूचाल, सोमदेव देववर्मन और पूरव राजा ने एआईटीए पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पूर्व नंबर 1 सिंगल खिलाड़ी सोमदेव देववर्मन और पूर्व डबल्स विशेषज्ञ पूरव राजा ने अखिल भारतीय टेनिस संघ यानी एआईटीए पर खेल संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। वहीं 28 सितंबर को होने वाले चुनावों से कुछ दिन पहले राष्ट्रीय शासी निकाय के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे हैं। बता दें कि, द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, सोमदेव देववर्मन और पूरव राजा ने केंद्र सरकार को अपना पक्षकार बनाते हुए आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खेल मंत्रालय ने कभी भी ये जानने की कोशिश नहीं की कि, एआईटीए खेल संहिता का अनुपालन कर रहा है या नहीं। उन्होंने मंत्रालय पर आखें मूंद लेने का आरोप लगाया है। दिल्ली हाई कोर्ट में सोमवार को दायर एक याचिका में दोनों खिलाड़ियों ने आरोप लगाया है कि, एआईटीए ने खेल संहिता के कई प्रावधानों का उल्लंघन किया है। वहीं टेनिस के दोनों दिग्गजों का कहना है कि, एआईटीए की केंद्रीय परिषद में एथलीट्स के लिए कोई सीट नहीं है।

इसके अलावा एथलीट्स के लिए केंद्रीय परिषद में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्कृष्ट योग्यता वाले प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को चुनने के लिए तंत्र भी नहीं है। कार्यकारी समिति में एथलीट्स के लिए सीट रिजर्व नहीं होने और एथलीट्स को केंद्रीय परिषद से कार्यकारी समिति में चुने जाने के लिए एक सिस्टम न होने की बात भी कही गई है।

एआईटीए के चुनाव के खिलाफ सोमदेव की अपील पर उच्च न्यायालय ने नोटिस जारी किया

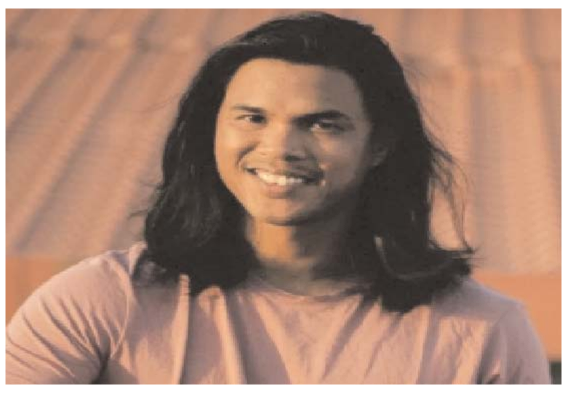

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली उच्च न्यायाय ने मंगलवार को अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) से इस महीने के अंत में होने वाले चुनाव के खिलाफ याचिका पर अपना पक्ष रखने को कहा है। आरोप है कि यह चुनाव कथित तौर पर खेल संहिता का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने पूर्व भारतीय एकल टेनिस खिलाड़ी सोमदेव देववर्मन और युगल खिलाड़ी पूरव राजा की याचिका पर खेल संघ और केंद्र को नोटिस जारी किया और कहा कि चुनाव याचिका के परिणाम के अधीन होंगे। इस चरण में चुनाव पर रोक लगाने से इनकार करते हुए न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र ने यह भी निर्देश दिया कि 28 सितंबर को होने वाले चुनावों के परिणाम प्रकाशित नहीं किए जाएंगे। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील ने तर्क दिया कि एआईटीए 'गुप्त तरीके से' चुनाव करा रहा था क्योंकि 'वेबसाइट पर कुछ भी नहीं था'। चुनाव पर रोक लगाने की मांग करते हुए वरिष्ठ वकील ने कहा कि एआईटीए का आचरण खेल संहिता और उच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णयों का घोर उल्लंघन है। न्यायालय ने याचिकाकर्ता से चुनाव के निर्वाचन अधिकारी को इस मामले में पक्ष बनाने को कहा और प्रतिवादी पक्षों से अपने जवाब दाखिल करने को कहा। न्यायालय ने कहा कि यदि बाद में चुनावों को संहिता का उल्लंघन करते हुए पाया जाता है तो निर्वाचित पदाधिकारियों को कार्य करने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा उनके स्थान पर एक स्वतंत्र संस्था नियुक्त की जा सकती है। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र ने कहा, ''मैं रोक नहीं लगा रहा हूं। चुनाव के लिए बहुत तैयारी की आवश्यकता होती है। यदि चुनाव प्रक्रिया मौजूदा निर्देशों की अवहेलना करते हुए संचालित की जाती है तो पदाधिकारियों को कार्य करने से रोक दिया जाएगा। फिर हम किसी को तदर्थ (निकाय) के रूप में नियुक्त करने पर विचार करेंगे...उस चुनाव को रद्द कर दिया जाएगा।''

रहाणे ईरानी कप में मुम्बई की कप्तानी करेंगे, शारदुल करेंगे वापसी

मुंबई (एजेंसी)। अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे को शेष भारत के खिलाफ एक अक्टूबर से होने वाले ईरानी कप मैच के लिए मुंबई का कप्तान बनाया गया है। वहीं सर्जरी से उबरे ऑलराउंडर शारदुल ठाकुर भी इस मुकाबले से प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करेंगे। इस मैच में मुंबई की टीम की ओर से श्रेयस अय्यर, मुशीर खान, शम्स मुलानी और तनुश कोटियान जैसे खिलाड़ी खेलेंगे। इसमें सरफराज खान के शामिल होने को लेकर भी संशय छाया हुआ है क्योंकि वह भारतीय टीम के 15 खिलाड़ियों में शामिल हैं। ऐसे में अगर कोई बल्लेबाज चोटिल होता है तो उन्हें अवसर मिल सकता है। ईरानी कप में सबसे सफल टीम शेष भारत है। उसने 30 बार यह खिताब जीत चुकी है। अगर आंकड़े देखें तो शेष भारत ने 61 बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है जिसमें 30 बार जीत तो 29 बार वह उपविजेता रही है। वहीं मुंबई 29 बार टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुकी है। वह 14 बार चैंपियन तो 14 बार उपविजेता रही है। कर्नाटक ने 8 बार में 6 बार यह चैंपियनिशप जीती है। दिल्ली ने 7 भागीदारियों में 2 बार, रेलवे ने 2 भागीदारियों में 2 बार इसे जीता है।

हरमनप्रीत सिंह एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को शनिवार को एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया। 28 वर्ष के ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत ने पेरिस ओलंपिक में आठ मैचों में दस गोल किये थे। वह 2020 और 2022 में लगातार दो बार पुरस्कार जीत चुके हैं। हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में उन्होंने कहा ,'' एफआईएच वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार की दौड़ में एक बार फिर शामिल होना गर्व की बात है।'' उन्होंने कहा ,'' मुझे खुशी है कि दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ मुझे नामांकन मिला है। लेकिन यह मेरी टीम के सहयोग के बिना संभव नहीं था। मैं एफआईएच प्रो लीग और पेरिस ओलंपिक में भी इतने गोल इसलिये कर सका क्योंकि टीम ने गोल करने के मौके बनाये।'' हरमनप्रीत के अलावा नीदरलैंड के थियरी ब्रिंकमैन और योएप डि मोल, जर्मनी के हानेस म्यूलेर और इंग्लैंड के जाक वालास भी दौड़ में हैं। इसके लिये 2024 में हुए सभी मैचों को गिना जायेगा जिसमें टेस्ट मैच, एफआईएच हॉकी प्रो लीग, एफआईएच हॉकी नेशंस कप, ओलंपिक क्वालीफायर और ओलंपिक शामिल है। हरमनप्रीत ने कहा ,'' पेरिस ओलंपिक अभी तक मेरे कैरियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। टीम ने हमेशा मेरा साथ दिया, खासकर पिछले साल विश्व कप में जब मैं एक भी गोल नहीं कर सका था। लेकिन टीम ने मुझे दोष नहीं दिया। मेरे दिमाग में हमेशा से था कि टीम के भरोसे पर खरा उतरना है।'' भारतीय टीम ने हाल ही में चीन में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी भी जीती है। हरमनप्रीत सात गोल करके प्लेयर आफ द टूर्नामेंट रहे। पुरस्कार के लिये मतदान 11 अक्टूबर तक होगा।

भारतीय शतरंज में प्रगति के जनक:'स्वर्णिम पीढ़ी' को तराशने में आनंद की भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्वनाथन आनंद को भरोसा था कि भारत इस बार शतरंज ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीतने की स्थिति में होगा और भारतीय शतरंज में कुछ सबसे प्रतिभाशाली युवाओं को तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले इस दिग्गज ग्रैंडमास्टर को उस समय बहुत खुशी हुई होगी जब देश ने हंगरी के बुडापेस्ट में 45वें शतरंज ओलंपियाड में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीता। विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश, आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी, विदित गुजराती और पी हरिकृष्णा की मौजूदगी वाली भारतीय पुरुष टीम ने ओपन वर्ग में स्वर्ण पदक जीता और शीर्ष वरीयता प्राप्त अमेरिका और उज्बेकिस्तान को पीछे छोड़ा। हरिका द्रोणावल्ली, आर वैशाली, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव ने महिलाओं के वर्ग में कजाखस्तान और अमेरिका की टीमों को पछाड़कर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। भारत की दोनों टीमों ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता और देश के पहले शतरंज सुपरस्टार आनंद की इसमें भूमिका रही। दोनों टीमों ने चेन्नई में घरेलू सरजमीं पर हुए पिछले ओलंपियाड में कांस्य पदक जीते थे। आनंद को पता था कि उस समय वे स्वर्ण पदक जीतने के करीब पहुंचे थे लेकिन अंतिम चरण में पिछड़ गए।

हालांकि ओलंपियाड से पहले 'पीटीआई' को दिए साक्षात्कार में पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद ने बुडापेस्ट में दोनों टीमों की खिताब जीतने की क्षमता पर भरोसा जताया था और यह यह सोने पर सुहागा था कि वह हंगरी की राजधानी में इन टीमों द्वारा बनाए गए इतिहास को देखने के लिए वहां मौजूद थे। उन्होंने कहा था, ''आप जानते हैं, अगर मुझे पासा फेंकना पड़े, तो ये अच्छी टीमें हैं (दांव लगाने के लिए)।''

गुकेश, प्रज्ञानानंदा, एरिगेसी और वैशाली ने वेस्टब्रिज आनंद शतरंज अकादमी में ट्रेनिंग ली है जिसे 54 वर्षीय आनंद ने चार साल पहले चेन्नई में स्थापित किया था। 18 वर्षीय गुकेश और 19 वर्षीय प्रज्ञानानंदा ने अक्सर कहा है कि वे 'विशी सर' के बिना उस मुकाम पर नहीं पहुंच पाते जहां वे हैंइसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं थी कि अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने उन्हें 'भारतीय शतरंज में प्रगति के जनक' के रूप में संबोधित किया। इससे पहले महान ग्रैंडमास्टर गैरी कास्परोव ने आनंद की सराहना करते हुए कहा था कि 'विशी आनंद के शिष्य धूम मचा रहे हैं'। उन्होंने गुकेश के अप्रैल में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतकर सबसे कम उम्र में विश्व खिताब का चैलेंजर बनने के बाद यह बात कही थी। आनंद इसका श्रेय खिलाड़ियों के माता-पिता और प्रारंभिक प्रशिक्षकों के साथ साझा करना पसंद करते हैं लेकिन उनका कहना है कि शतरंज अकादमी के उनके विचार ने भी अपनी भूमिका निभाई जो तीन दशक से भी अधिक समय पहले सोवियत संघ में देखे गए स्कूलों से प्रेरित था।

कानपुर टेस्ट से बाहर हो सकता है बांग्लादेश का स्टार क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। वहीं बांग्लादेश के स्टार ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की दूसरे टेस्ट में उपलब्धता को लेकर बड़ा अपडेट आया है। भारत ने पहले टेस्ट मैच में चेन्नई में बांग्लादेश को 280 रन से हराया था और अब दोनों टीमों के बीच 27 सितंबर से दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। पहले टेस्ट में शाकिब अल हसन का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। वे दो पारियों में केवल 32 और 25 रन ही बना पाए। गेंद से भी उनका प्रदर्शन खराब रहा। बांए हाथ के स्पिन ऑलराउंडर ने पहली पारी में 50 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला जबकि दूसरी पारी में उन्होंने 79 रन दिए और कोई सफलता उन्हें नहीं मिली। पहले टेस्ट के दौरान उनका खराब प्रदर्शन साथ ही चोट भी चर्चा में रहा। चेन्नई टेस्ट मैच के दौरान टीम के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने शाकिब अल हसन को देरी से गेंदबाजी अटैक पर लगाया था। इसके बाद शांतो के इस फैसले पर अंगुली भी उठी थी। वही मैच के दौरान कमेंटेटर मुरली कार्तिक ने ऑन एयर कहा था कि शाकिब की स्पिनिंग अंगुली और कंधे में तकलीफ थी। हालांकि, बीसीबी के मुख्य चिकित्सक डॉ देबाशीष और बल्लेबाजी कोच डेविड हेम्प ने कहा कि उन्हें शाकिब की चोट के बारे में जानकारी नहीं है। क्रिकबज के मुताबिक बांग्लादेश टीम के चयनकर्ता हन्नान सरकार ने अब ऑलराउंडर शाकिब की इंजरी पर अपडेट दिया है। साथ ही खुलासा भी किया है कि फिजियो उन पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं। दूसरे टेस्ट के लिए उनकी उपलब्धता पर निर्णय बाद में लिया जाएगा। हन्नान ने कहा कि शाकिब अल हसन पूरी तरह से फिट थे जिसकी वजह से ही उन्हें पहले मैच की प्लेइंग इलेवन में जगह दी गई थी।

सतना में 69 प्रकरणों पर तो मैहर में 73 आवेदनों पर हुई जनसुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देशन में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित मंगलवार की जनसुनवाई में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखडे एवं डिप्टी कलेक्टर एलआर जांगडे तथा एसडीएम राहुल सिलाडिया ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये आवेदकों की समस्यायें सुनी। जनसुनवाई में 69 आवेदकों की समस्याएं सुनी गईं और समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

इस दौरान जनसुनवाई में आए रामपुर बघेलान तहसील अंतर्गत मतहा गांव के भगवानदीन वर्मा और संगीता साकेत को कान की मशीन, उचेहरा तहसील के पतौरा निवासी शारदा प्रसाद चर्मकार तथा संगीता साकेत को ट्राईसिकिल और रामपुर बघेलान के ही सीताराम साकेत को कलेक्टर अनुराग वर्मा के निर्देश पर अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े द्वारा व्हील चेयर प्रदान की गई।

जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण और संबल योजना के लाभ संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे। सबसे अधिक आवेदन प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना के लिए प्राप्त हुए।

मैहर जिले में 73 आवेदनों पर हुई सुनवाईः मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने जिले के विभिन्न अंचलों से अपनी समस्याओं का आवेदन लेकर आये 73 आवेदकों की समस्याएं सुनी और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। इस मौके पर अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम विकास सिंह, सीएमओ लालजी ताम्रकार, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेंद्र बांगरे सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में आवेदक कमलेश पटेल निवासी ग्राम करइया देवरी नादन ने बताया कि ठेकेदार सुनील केवट निवासी सरलानगर तरुण कांस्ट्रेक्सन ने तीन माह की मजदूरी का पैसा नहीं दिया जा रहा है जबकि ठेकेदार ने 600 रुपए मजदूरी पर हर हफ्ते पैसा देने की बात कही गई थी। लेकिन अब 3 माह का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इसी प्रकार रावेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि बीए चतुर्थ वर्ष का नियमित छात्र हूं। विगत दो वर्ष से परीक्षा के परिणाम देर से जारी होने के कारण शासन द्वारा नेत्रहीनों को दिए जाने वाली छात्रवृत्ति से वंचित रह जाता हूं।

पिछले दो वर्ष से योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। निवासी ग्राम कुसेडी शेख लतीफपिता शेख कल्लू ने बताया कि मेरे आराजी 335 रकवा 0.042 हेक्टेयर है जो एनएच 7 से लगी हुई है। एनएचआई द्वारा भुगतान के दौरान टीडीएस की राशि 88000 रुपया काट ली गई थी जिसका भुगतान अभी तक नही किया गया है।

छठवीं जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का नागौद में हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। छठवीं जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता स्वामी विवेकानंद आवासीय योग केंद्र नागौद में संपन्न कराई गई। जिसमे की सभी बच्चों ने बड़े उल्लास के साथ भाग लिया। उल्लेखनीय हैं की जिला योग संघ सतना के द्वारा हर वर्ष योग को बढ़ावा देने एवं योग के प्रचार प्रचार के लिए योग की प्रतियोगिता कराई जाती है। मुख्य अतिथि के रूप में शशि सिंह उपस्थित रहीं। विशेष अतिथि के रूप में विनीत सिंह ,सुनीता सिंह, विजय बर्मन उपस्थित रहे। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार से सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का सफल संचालन योग साधक

मनोज प्रताप सिंह के द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में विशेष रूप से अदिति राजपूत, प्रतिष्ठा विश्वकर्मा, वैष्णवी सिंह , अनन्या विश्वकर्मा ,ओम प्रताप सिंह, वैभव, अंशुमन गुप्ता का प्रदर्शन शानदार रहा। 25 एवं 26 तारीख को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सभी खिलाड़ी भाग लेंगे।

राज्य शिक्षा केन्द्र ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं की वार्षिक परीक्षा के संबंध में जारी किये दिशा-निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्कूल शिक्षा विभाग के राज्य शिक्षा केन्द्र ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 में प्रदेश की समस्त शासकीय शालाओं, मान्यता प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त शालाओं और डाईस कोड प्राप्त मदरसों में कक्षा 5वीं और 8वीं में अध्ययनरत बच्चों के लिये एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तकों एवं पाठ्यक्रम के आधार पर परीक्षा के आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किये हैं। यह निर्देश समस्त जिला कलेक्टर को भी जारी कर दिये गये हैं।

जारी निर्देश में परीक्षा परिणाम के लिये अधिभार अंक निर्धारित किये गये हैं। अर्द्धवार्षिक परीक्षा के लिये अधिभार अंक 20, वार्षिक परीक्षा लिखित अधिभार अंक 60 और वार्षिक परीक्षा प्रोजेक्ट कार्य के लिये अधिभार अंक 20 निर्धारित किये गये है। निर्देशों में कहा गया है कि समस्त शालाओं में अर्द्धवार्षिक परीक्षा का आयोजन राज्य शिक्षा द्वारा निर्धारित ब्लू प्रिन्ट के आधार पर निर्मित कराये गये प्रश्न-पत्रों और निर्धारित समय-सारणी अनुसार कराया जायेगा। शासकीय शालाओं केलिये अर्द्धवार्षिक परीक्षा के प्रश्न-पत्र राज्य स्तर से निर्मित कराये जायेंगे। जबकि अशासकीय शालाएं राज्य दौरा निर्धारित ब्लू प्रिन्ट के आधार पर प्रश्न-पत्रों का निर्माण स्वयं करेंगी। वार्षिक परीक्षा के लिये शासकीय शालाओं, मान्यता प्राप्त अशासकीय और अनुदान प्राप्त शालाओं एवं डाईस कोड प्राप्त मदरसों में अध्ययनरत कक्षा 5वीं और 8वीं के लिये पंजीकृत परीक्षार्थी के लिये कक्षावार, विषयवार निर्धारित पाठ्यक्रम अनुसार निर्मित कराये गये प्रश्न-पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र द्वारा उपलब्ध कराये जायेंगे। परीक्षा आयोजन संबंधी समय-समय पर जारी निर्देश मध्यप्रदेश राज्य एजुकेशन पोर्टल की देखे जा सकते हैं।

चित्रकूट में हनुमान जी के तोते रूप में दर्शन

रामघाट पर स्थित 'तोता मुखी हनुमान मंदिर' बना भक्तों की आस्था का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। धर्म नगरी चित्रकूट, जिसे प्रभु श्रीराम की तपोस्थली माना जाता है। सदियों से आस्था और भक्ति का प्रमुख केंद्र रही है। यह वहीं पवित्र भूमि है, जहां श्रीराम ने अपने वनवास के साढ़े ग्यारह वर्ष व्यतीत किए थे। आज हम आपको इस पावन नगरी में स्थित एक अद्वितीय मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। जो भक्तों के बीच खास महत्व रखता है। यह है रामघाट का 'तोता मुखी हनुमान मंदिर'।

गोस्वामी तुलसीदास को हुआ था हनुमान जी का तोते के रूप में दर्शनः कहानी यह है कि जब गोस्वामी तुलसीदास जी श्रीराम के दर्शन के लिए व्याकुल थे। तब उन्हें हनुमान जी ने तोते के रूप में दर्शन दिए थे। मान्यता है कि अमावस्या के दिन प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण रामघाट की मंदाकिनी नदी में स्नान करने आए थे, पर तुलसीदास जी उन्हें पहचान नहीं पाए। उसी समय, हनुमान जी तोते के रूप में तुलसीदास जी के पास पहुंचकर उन्हें प्रभु श्रीराम के बारे में बताया।

पुजारी मोहित दास ने बताया कि तुलसीदास जी पहले काशी में हनुमान जी के दर्शन कर चुके थे। हनुमान जी ने उन्हें बताया था कि चित्रकूट में ही उन्हें श्री राम के दर्शन होंगे। तुलसीदास जी ने हनुमान जी की बात मानकर चित्रकूट में निवास करना शुरू किया। एक दिन, जब वह रामघाट पर संतों और भक्तों को चंदन लगा रहे थे। तब प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण बालकों के रूप में वहां आए और उन्होंने भी चंदन लगवाया। लेकिन तुलसीदास जी उन्हें पहचान नहीं सके।

तुलसीदास जी ने प्रभु के चरण पकड़ लिएः इसी दौरान, हनुमान जी ने पेड़ के पीछे से तोते के रूप में एक दोहा सुनाया। जिसने तुलसीदास जी की आंखें खोल दीं। तब उन्हें समझ आया कि जिन बच्चों को वह चंदन लगा रहे थे, वे कोई और नहीं बल्कि स्वयं प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण थे। तुरंत तुलसीदास जी ने प्रभु के चरण पकड़ लिए, और प्रभु ने अपने दिव्य रूप में दर्शन दिए।

चित्रकूट का यह मंदिर बना आस्था का केंद्र यह मंदिर न केवल गोस्वामी तुलसीदास जी की इस अनूठी कथा से जुड़ा है। बल्कि यह भक्तों के लिए एक पवित्र स्थल है। जहां वे हनुमान जी के तोते रूप में दर्शन की मान्यता में श्रद्धा प्रकट करते हैं। चित्रकूट के अलावा कही भी बजरंग बली ने इस रूप में किसी को दर्शन नहीं दिए। यही कारण है कि यह मंदिर हर साल हजारों भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है। इस मंदिर की महिमा और इतिहास से जुड़ी ये कथा आज भी भक्तों के बीच एक जीवंत आस्था का प्रतीक है।

नदी में डूबे दोनों नाबालिगों के शव मिले

एसडीईआरएफ की टीम ने घंटों सर्चिंग कर रेस्क्यू किया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सिटी कोतवाली अंतर्गत जिगनहट में सतना नदी में डूबे दोनों लडकों के शव (मंगलवार) को बाहर निकाल लिए गए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए हैं और मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक, एसडीईआरएफ की टीम ने घंटों चली तलाश के बाद सतना नदी में डूबे दोनों नाबालिगों नमन और अनुराग उर्फ कालू के शव पानी से बाहर निकाल लिए। इनमें नमन उर्फ कालू जिला अस्पताल में पोस्टमॉर्टम में सहयोग करने वाले बाबू नामक स्वीपर के परिवार का सदस्य है। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के बाद उनके परिजनों को सौंप दिया है।

बता दें कि शहर के बजरहा टोला निवासी चार लडके नमन ,अनुराग उर्फ कालू ,अंश और रेशू सोमवार को दोपहर में जिगनहट गए थे। उन्होंने अंश को दूर खडे रहने को कहा और खुद तीनों रपटे के पास पहुंच गए। रपटे के ऊपर चलते समय नमन फिसलकर पानी मे गिर पड़ा और डूबने लगा। अनुराग उर्फ कालू ने उसे डूबते देखा तो वह भी उसे बचाने पानी मे कूद पड़ा लेकिन वह भी डूबने लगा। दोनों की हालत देख कर रेशू ने भी पानी मे छलांग लगा दी थी।

उसने उन दोनों को पकड़ भी लिया लेकिन किनारे आने के पहले ही पकड़ ढीली पड़ी और नमन और अनुराग तेज बहाव वाले पानी मे लापता हो गए थे। सूचना मिलने पर एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंची थी। सोमवार (23 सितंबर) शाम ही उनकी तलाश शुरू कर दी गई थी। हालांकि, अंधेरा होने के कारण कल रेस्क्यू ऑपरेशन रोकना पड़ा था। आज (मंगलवार) को तलाश फिर शुरू हुई और दोनों के शव निकाल लिए गए।

सड़क हादसे में आरक्षक की मौत

ड्यूटी के दौरान तेज रफ्तार वाहन ने मारी टक्कर, पुलिस ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर कोतवाली में पदस्थ एक पुलिस आरक्षक की सोमवार की रात स?क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। मैहर पुलिस ने मंगलवार को अपने दिवंगत साथी को पूरे सम्मान के साथ विदाई दी।

जानकारी के मुताबिक मैहर थाना में पदस्थ आरक्षक तिलकराज सिंह की सोमवार की रात मैहर-उचेहरा रोड पर हुए सड़क हादसे में मौत हो गई। तिलकराज गुम इंसान के एक प्रकरण में तलाश और तफ्तीश के लिए निकले थे। सोमवार की रात लगभग 10 बजे ईचौल के पास तेज रफ्तार कार नंबर एमपी 48 जेडए 2941 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जिस वाहन ने आरक्षक की बाइक को टक्कर मारी वह बैतूल का है। उस पर सवार लोग पितृ विसर्जन कर गया से वापस लौट रहे थे। मंगलवार की सुबह दिवंगत आरक्षक की पार्थिव देह को मैहर लाया गया और थाना परिसर में गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। दिवंगत आरक्षक के पार्थिव शरीर पर तिरंगा चढ़ाया गया और पुलिस के जवानों ने उन्हें सलामी दी। पुलिस अधिकारियों ने श्रद्धासुमन अर्पित कर अपने साथी को नम आंखों से अंतिम विदाई दी।

सीएसपी राजीव पाठक ने बताया कि आकस्मिक निधि से परिवार को फिलहाल एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी गई है। तिलकराज सीधी जिले के ग्राम तेगवा थाना जमोड़ी के रहने वाले थे लिहाजा उनके पार्थिव शरीर को पूरे सम्मान के साथ उनके गांव भेजा जा रहा है।

एसपी समेत अन्य अधिकारियों ने जताया शोकः आरक्षक की मौत की खबर से मैहर पुलिस में शोक की लहर दौड़ गई है। मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल, एडिशनल एसपी मुकेश वैश्य, सीएसपी राजीव पाठक, एसडीओपी शिवकुमार सिंह, टीआई मैहर अनिमेष द्विवेदी और टीआई अमरपाटन केपी त्रिपाठी ने इस घटना पर शोक व्यक्त किया है। एसपी ने दिवंगत के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा है कि दुख की इस घड़ी में वे और पूरी मैहर पुलिस उनके परिवार के साथ है।

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत मैहर जिले के सिविल अस्पताल प्रांगण में की गई सफाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2024 के अंतर्गत मैहर कलेक्टर रानी बाटड के निर्देशानुसार मंगलवार को सिविल अस्पताल प्रांगण में दूसरे दिन भी सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही कीटनाशक दवाओं का छिड़काव किया गया। इस दौरान एसडीएम विकास सिंह ने आउटसोर्स सफाई कर्मी और सुपरवाइजर पर नाराजगी जाहिर करते हुए सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इस मौके पर सीएमओ लालजी ताम्रकार, डॉ. वीके गौतम, सीडीपीओ विद्याचरण तिवारी, संजय जाधवानी, अरुण तनय मिश्रा, मनोज शुक्ला, रमेश पंसारी, छोटू मैनी, अजय मिश्रा सहित एनजीओ, सफाई मित्र, एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए दी किताबें

सतना 24 सितंबर 2024/बेटी बचाओ-बेटी पढाओ योजनांतर्गत सतना जिले में बालिका शिक्षा और उनके बेहतर भविष्य के लिए अच्छा कैरियर बनाने विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही है। मंगलवार को जनसुनवाई में राजीव नगर नईबस्ती सतना निवासी कुमारी पवित्रा प्रजापति ने कलेक्टर अनुराग वर्मा को बताया कि उसके द्वारा संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं की तैयारी की जा रही है। लेकिन घरेलू आर्थिक स्थिति कमजोर होने से वह स्लैबस और प्रतियोगी परीक्षा के लिए उपयोगी पुस्तकें नहीं खरीद पा रही है। कलेक्टर वर्मा ने बालिका की लगन और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए किये जा रहे परिश्रम के दृष्टिगत जिला कार्यक्रम अधिकारी को बेटी बचाओ-बेटी पढाओ योजना के तहत मदद करने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने पवित्रा प्रजापति को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रतिष्ठित कोचिंग में उपयोग होने वाली प्रतियोगिता पुस्तकें और अनसाल्ड पेपर की पुस्तकें प्रदान की। इस अवसर पर महिला बाल विकास अधिकारी सौरभ सिंह भी उपस्थित रहे। कलेक्टर की पहल पर सतना शहर में जिले के बच्चों को संघ लोक सेवा आयोग एवं सिविल सेवा परीक्षाओं की तैयारी के लिए नालंदा कोचिंग और बाल संरक्षण कार्यालय सतना में बालिकाओं के लिए एमपीपीएससी, पुलिस एवं अन्य विभागों की भर्ती परीक्षाओं के लिए निःशुल्क कोचिंग क्लास चलाई जा रही है।

राज्यमंत्री ने समाज कल्याण अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

संजीव ने कहा- अपराधियों की कोई जाति नहीं होती, वे सिर्फ अपराधी होते हैं

मीडिया ऑडीटर, चित्रकूट निप्र। चित्रकूट में राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड एक दिवसीय दौरे के दौरान पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में चित्रकूट धाम मंडल के समाज कल्याण अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में समाज कल्याण विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की गई।

कोल समाज को जनजाति का दर्जा दिलाने की मांगः बैठक में राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड ने कोल समाज के लोगों को जनजाति का दर्जा दिलाने की मांग को पुनः जोर-शोर से उठाया। उन्होंने कहा कि कोल समाज के जनप्रतिनिधियों को एकजुट होकर भारत सरकार को पत्र भेजना चाहिए।

ताकि इस समाज को जनजाति का दर्जा मिल सके। गोंड ने बताया कि पूर्व में भी यह मांग उठाई गई थी। लेकिन अब इसे तेज करने की जरूरत है। तभी कोल समाज को इस मांग का लाभ मिल पाएगा।

फर्जी एनकाउंटर के आरोपों पर मंत्री का पलटवारः अखिलेश यादव द्वारा राज्य में जाति के आधार पर फर्जी एनकाउंटर के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए संजीव कुमार गोंड ने कहा कि जो एनकाउंटर हो रहे हैं, वे जाति देखकर नहीं किए जा रहे।

यह कार्रवाई उन अपराधियों के खिलाफ की जा रही है, जो चोरी, छिनैती, हत्या और बलात्कार जैसे गंभीर अपराधों में लिप्त हैं। इन अपराधियों की कोई जाति नहीं होती, वे सिर्फ अपराधी होते हैं और उन्हें उनके अपराधों के आधार पर दंडित किया जा रहा है।"

समाज कल्याण योजनाओं पर चर्चाः चित्रकूट धाम मंडल के अधिकारियों के साथ बैठक में गोंड ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाज के वंचित तबके तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन आज रोजगार कार्यालय सतना में

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला रोजगार कार्यालय सतना द्वारा एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किया जा रहा है।

जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 25 सितंबर 2024 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जिला रोजगार कार्यालय राजेन्द्र नगर गली नम्बर 12-13 सतना में रोजगार प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।